UPHIN/2011/39718
(डिजिटल संस्करण)
बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज़
सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-224 | कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में | उरई (जालौन) सोमवार 27 जुलाई 2026 | youngbharatE-paper.com

3386 बेटियों की शादी के लिए 18.53 करोड़ जारी

अयोध्या मंडल में सीएम कन्या विवाह योजना का लाभ

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

अयोध्या: सीएम कन्या विवाह योजना के तहत श्रमिक परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए अयोध्या मंडल में 3386 पात्र श्रमिक परिवारों को सहायता प्रदान की गई है। इसे वित्तीय वर्ष 2025-26 में अयोध्या मंडल के जिलों में प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। श्रम विभाग ने एसएनए के जरिए इस योजना पर मंडल के अयोध्या, बाराबंकी, अम्बेडकरनगर, सुल्तानपुर और अमेठी जिलों में कुल 18 करोड़ 53 लाख 1 हजार रुपये की धनराशि वितरित की गई है।

जिसमें अयोध्या में सर्वाधिक 1574 परिवारों को 8 करोड़ 67 लाख 86 हजार रुपये, सुल्तानपुर में 595 परिवारों को 3 करोड़ 27 लाख 35 हजार रुपये, बाराबंकी में 491 परिवारों को 2 करोड़ 70 लाख 5 हजार रुपये, अमेठी में 358 परिवारों को 1 करोड़ 96 लाख 90 हजार रुपये तथा अम्बेडकरनगर में 368 परिवारों को 1 करोड़ 90 लाख 85 हजार रुपये की सहायता दी गई। अयोध्या श्रम विभाग के उप आयुक्त अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक का यह आंकड़ा योजना की सफलता को रेखांकित करता है और भविष्य में और अधिक परिवारों को लाभान्वित करने का संकेत देता है। कहा कि प्रदेश सरकार की कन्या विवाह अनुदान योजना श्रमिक परिवारों के लिए बड़ी वरदान साबित हो रही है। पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में सहायता राशि पारदर्शी तरीके से सीधे भेजी जा रही है। उन्होंने पंजीकृत श्रमिकों से समय पर आवेदन कर विभाग की कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि पंजीकृत निर्माण श्रमिक, जिन्होंने पंजीकरण के बाद कम से कम 365 दिन बोर्ड की सदस्यता पूरी कर ली हो, अपनी पुत्री अथवा पंजीकृत महिला श्रमिक स्वयं के विवाह के लिए इस सहायता का लाभ ले सकते हैं। कन्या की आयु कम से कम 18 वर्ष तथा वर की आयु 21 वर्ष होनी चाहिए। सामान्य विवाह पर 65 हजार रुपये, अंतर्जातीय विवाह पर 75 हजार रुपये तथा सामूहिक विवाह (न्यूनतम 11 जोड़ों) की स्थिति में 85 हजार रुपये की सहायता का प्रावधान है

रवीना को भेजो, तब मिलेंगे भारतीय जवानों के शव'...

कारगिल में पाक सैनिकों की रखी थी घटिया मांग, भारत ने मिसाइल पर लिखकर दिया था ऐसा करारा जवाब!

(यंग भारत न्यूज)

हमारा देश कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है. इस अवसर पर एक बार फिर 1999 के कारगिल युद्ध का एक दिलचस्प किस्सा सोशल मीडिया पर फिर से जीवंत हो उठा है जिसमें भारतीय सैनिकों ने एक बम पर एक्ट्रेस रवीना टंडन का नाम लिखा था.

बताया जाता है कि पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का एक पुराना बयान था कि रवीना टंडन उनकी पसंदीदा अभिनेत्री हैं. यही कारण है कि जब भारत को शहीदों के शव लौटाने के बदले में पाकिस्तान ने रवीना टंडन को पाक भेजने की बात कही थी तो कारगिल युद्ध के दौरान हमारे जांबाज सैनिकों ने नवाज़ शरीफ़ को उपहार के रूप में रवीना के नाम वाले बम भेजे थे. भारत और पाकिस्तान के बीच के तनावपूर्ण रिश्ते किसी से छिपे नहीं हैं. समय-समय पर दोनों देशों के बीच की दूरियां और कड़वाहट खुलकर सामने आती रही हैं. इस बीच सोशल मीडिया पर 1999 के कारगिल युद्ध से जुड़ा एक ऐसा किस्सा चर्चा में आ गया है, जिसे सुनकर आपके भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे. यह किस्सा बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री रवीना टंडन और पाकिस्तान की नापाक हरकतों से जुड़ा हुआ है. कारगिल युद्ध के दौरान कई भारतीय वीर सपूत देश के लिए शहीद हो गए थे. जब भारतीय सरकार ने शहीद हुए जवानों के पार्थिव शरीर वापस मांगे, तो पाकिस्तानी सैनिकों ने बेशर्मी की सारी हदें पार कर दीं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान की तरफ से अजीबोगरीब मांग रखते हुए कहा गया था कि 'रवीना टंडन और माधुरी दीक्षित को पाकिस्तान भेज दो, और इसके बदले में हम भारतीय जवानों के शव वापस कर देंगे.' पाकिस्तान की इस घटिया और असंवेदनशील मांग के बाद भारतीय सेना और वायु सेना का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया था. दुश्मनों की इस हरकत का करारा और मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारतीय वायु सेना ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया. कारगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान पर दागी जाने वाली एक मिसाइल पर खास तौर पर संदेश लिखा गया- 'रवीना टंडन की तरफ से नवाज शरीफ के लिए' सिर्फ इतना ही नहीं, उस मिसाइल पर तीर के साथ दिल का निशान भी बनाया गया था, ताकि पाकिस्तानियों को यह अच्छी तरह याद रहे कि वे किससे पंगा ले रहे हैं.

खाने में मिलावट पर बड़ा खुलासा, 5 साल में 1.85 लाख से ज्यादा सैंपल फेल; यूपी-राजस्थान में मिलावट के सबसे ज्यादा केस

(यंग भारत न्यूज)

खाने-पीने की चीजों में मिलावट को लेकर एक बड़ा खुलासा खुद सरकार ने संसद में किया है. लोकसभा में 24 जुलाई 2026 को पूछे गए एक सवाल के जवाब में हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर मिनिस्टर ऑफ़ स्टेट प्रतापराव जाधव ने बताया कि पिछले पांच फाइनेंशियल ईयर्स में देशभर में जांचे गए फूड सैंपलों में से 1.85 लाख से ज्यादा सैंपल अनसेफ या मिलावटी पाए गए हैं.

यह सवाल सांसद राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे ने पूछा था, जिसमें महाराष्ट्र सहित देश के अलग-अलग हिस्सों में दूध, कुकिंग ऑयल, मसालों, मिठाइयों, मंदिर के प्रसाद और ड्रिंक्स में मिलावट की बढ़ती घटनाओं पर सरकार से जवाब मांगा गया था. सरकार के डेटा के मुताबिक, इस दौरान सबसे ज्यादा मिलावटी सैंपल उत्तर प्रदेश में पकड़े गए, जबकि राजस्थान और तमिलनाडु भी टॉप-3 राज्यों में शामिल रहे. इसी दौरान 11 हजार से ज्यादा फूड लाइसेंस रद्द किए गए और साढ़े चार हजार से अधिक लाइसेंस सस्पेंड किए गए. स्नस्स्द्ध के मुताबिक, फूड बिजनेस ऑपरेटर्स में से करीब 98 परसेंट स्टेट या यूनियन टेरिटरी के फूड सेफ्टी अथॉरिटीज के अंडर आते हैं, इसलिए एक्शन लेने की मेन रिस्पॉसिबिलिटी भी राज्यों की ही है. सरकार ने बताया कि रैपिड टेस्टिंग किट्स, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब्स और पब्लिक अवेयरनेस कैंपेन के जरिए मिलावट पर लगाम कसने की कोशिश की जा रही है. संसद में पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, बीते पांच फाइनेंशियल ईयर्स में उत्तर प्रदेश लगातार सबसे ज्यादा नॉन-कन्फॉर्मिंग यानी तय मानकों पर खरे न उतरने वाले सैंपलों के मामले में टॉप पर रहा है. फाइनेंशियल ईयर 2025-26 (प्रोविजनल) में उत्तर प्रदेश में 20,427, राजस्थान में 4,594 और तमिलनाडु में 3,984 सैंपल नॉन-कन्फॉर्मिंग पाए गए. इससे पहले 2024-25 में उत्तर प्रदेश में 16,500, राजस्थान में 3,788 और तमिलनाडु में 2,240 सैंपल फेल हुए, जबकि 2023-24 में उत्तर प्रदेश में 16,183, राजस्थान में 3,493 और तमिलनाडु में 2,237 सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरे. ईयर 2022-23 में उत्तर प्रदेश 18,108 सैंपलों के साथ टॉप पर रहा, उसके बाद तमिलनाडु में 7,924 और राजस्थान में 3,965 सैंपल फेल हुए. वहीं 2021-22 में उत्तर प्रदेश में 13,153, तमिलनाडु में 3,778 और मध्य प्रदेश में 2,900 सैंपल नॉन-कन्फॉर्मिंग पाए गए थे.इन आंकड़ों से साफ है कि उत्तर प्रदेश हर साल इस लिस्ट में टॉप पर बना रहा, जबकि राजस्थान और तमिलनाडु बारी-बारी से दूसरे और तीसरे नंबर पर रहे. हालांकि यह भी ध्यान देने वाली बात है कि इन राज्यों में सैंपलिंग का नंबर भी दूसरे राज्यों के मुकाबले काफी ज्यादा रहा, जिसकी वजह से नॉन-कन्फॉर्मिंग सैंपलों का नंबर भी नेचुरली ज्यादा दिखा. सरकार ने बताया कि मिलावट और रूल्स के उल्लंघन के मामलों में फूड बिजनेस ऑपरेटर्स पर सख्त एक्शन भी लिया गया है. पिछले पांच सालों में लाइसेंस सस्पेंशन और कैंसिलेशन के आंकड़े इस तरह रहे: ईयर 2021-22 में 1,097 लाइसेंस सस्पेंड और 1,830 कैंसिल किए गए, जबकि 2022-23 में 1,100 सस्पेंड और 1,715 कैंसिल हुए. इसके बाद 2023-24 में 791 लाइसेंस सस्पेंड और 1,505 कैंसिल किए गए, वहीं 2024-25 में 769 सस्पेंड और 1,679 कैंसिल दर्ज हुए. वहीं, ईयर 2025-26 में 704 लाइसेंस सस्पेंड हुए, लेकिन कैंसिलेशन का आंकड़ा बढ़कर 4,764 तक पहुंच गया. कुल मिलाकर पांच साल में 4,461 लाइसेंस सस्पेंड और 11,493 लाइसेंस पूरी तरह रद्द किए गए. खास बात यह है कि 2025-26 में सस्पेंशन का नंबर सबसे कम रहा, लेकिन कैंसिलेशन का आंकड़ा पांच साल में सबसे ज्यादा यानी 4,764 तक पहुंच गया, जो दिखाता है कि हाल के सालों में सीरियस रूल तोड़ने वाले कारोबारियों के खिलाफ परमानेंट एक्शन को प्रायोरिटी दी गई है.

सरकार के मुताबिक फूड बिजनेस ऑपरेटर्स के खिलाफ चेकिंग अभियान में भी लगातार तेजी आई है. पिछले तीन फाइनेंशियल ईयर्स में हुए इंस्पेक्शन का नंबर इस तरह रहा:

2023-24- 3,57,072 इंस्पेक्शन
2024-25- 4,01,391 इंस्पेक्शन
2025-26 (प्रोविजनल)- 5,20,566 इंस्पेक्शन

यानी 2023-24 के मुकाबले 2025-26 में इंस्पेक्शन के नंबर में करीब 46 परसेंट का इजाफा हुआ है. सरकार का कहना है कि यह बढ़ोतरी स्नस्स्द्ध के चार रीजनल ऑफिस और स्टेट और यूटी के फूड सेफ्टी अथॉरिटीज की तरफ से सालभर चलाए जा रहे स्पेशल एनफोर्समेंट और मॉनिटरिंग अभियानों का रिजल्ट है.

सरकार ने संसद में यह भी बताया कि मिलावट रोकने और फूड सेफ्टी को स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए कई स्टेप्स लिए जा रहे हैं-

यूपी चुनाव 2027: सीएम योगी और अखिलेश में सियासी 'मल्लयुद्ध'

तंज और पलटवार करने में कौन पड़ रहा भारी?

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव का बिगुल भले ही औपचारिक रूप से न बजा हो, लेकिन बीजेपी और सपा में जंग अभी से ही शुरू हो गई है. खासकर सीएम योगी और अखिलेश यादव एक दूसरे पर वार और तंज करने का मौका हाथ से जाने नहीं देना चाहते.रविवार को सैफई मेडिकल कॉलेज को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव की दुखती रग पर हाथ रखा, तो वहीं अखिलेश यादव ने भी सोशल मीडिया के ज़रिए सीएम योगी पर तीखा तंज कसते हुए रामपुर और अवैध कब्जों के मुद्दे की आग को फिर से हवा दे दी.

यूपी चुनाव से ठीक पहले दोनों के बीच जुबानी जंग लगता है कि 'मल्लयुद्ध' में बदल गया है. सैफई में उत्तर प्रदेश ग्रामीण आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीधे अखिलेश यादव की प्रशासनिक क्षमता पर सवाल उठाए. सीएम योगी ने याद दिलाया कि इस संस्थान की नींव स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने रखी थी, लेकिन उनके अपने बेटे ही इसे आगे नहीं बढ़ा सके. सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'स्वर्गीय मुलायम सिंह जी ने सैफई में ग्रामीण आयुर्विज्ञान संस्थान बनाने का एक दूरदर्शी निर्णय लिया था. इसके बाद 5 वर्षों तक अखिलेश जी भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, लेकिन उन्हें इस काम को आगे बढ़ाने की फुर्सत ही नहीं थी.

उनकी सरकार में यह प्रोजेक्ट अटका रहा. हमारी सरकार ने आने के बाद यहां 490 करोड़ रुपये की लागत से 500 बेड वाले सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक को पूरा करवाकर जनता को समर्पित करने का काम किया है.' योगी का यह बयान सीधे तौर पर सपा के 'विकास वाले दावों' की धज्जियां उड़ाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है. सीएम योगी के इस हमले के तुरंत बाद अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए मुख्यमंत्री पर अब तक का सबसे तीखा चुटकी भरा तंज कसा. अखिलेश का यह हमला रामपुर में आजम खान की मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी पर हुई हालिया बुलडोजर कार्रवाई और अन्य अवैध निर्माणों के संदर्भ में देखा जा रहा है. अखिलेश यादव का सोशल मीडिया पर लिखा, 'क्या ग्रीन बेल्ट में बने किसी के अवैधानिक घर का नक़्शा देखे बिना ही मुख्यमंत्री जी का उस घर में जाने का कार्यक्रम बन गया या फिर वे नक़्शा पास कराने गये हैं? बुलडोज़र साथ में है या...' दरअसल, सीएम योगी का एक बीजेपी नेता के घर जाने का कार्यक्रम था, जिसका वीडियो अखिलेश यादलव ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर सीएम योगी पर तंज कसा. अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए आरोप लगाया कि सरकार विरोधियों के घरों पर बिना नोटिस और नक्शे के बुलडोजर चलाती है, लेकिन अपने करीबियों के ग्रीन बेल्ट में बने निर्माणों पर आंखें मूंद लेती है. उत्तर प्रदेश में जैसे-जैसे चुनाव करीब आ रहे हैं, दोनों बड़े नेता एक-दूसरे के गढ़ और नीतियों को निशाना बना रहे हैं. सीएम योगी पश्चिमी यूपी में लगातार दौरा कर रहे हैं. रविवार को उन्होंने सैफई मॉडल की कमियों को उजागर किया. मुलायम सिंह के अधूरे कामों को पूरा करने का श्रेय लेना और सपा के 'परिवारवाद' पर हमला बोला. वहीं, सपा ने कहा कि बीजेपी सिर्फ दूसरों के बनाए इंफ्रास्ट्रक्चर पर अपना फीता काटती है और विकास का झूठा ढिंढोरा पीटती है. अखिलेश यादव ने 'बुलडोजर नीति' पर सवाल उठाए और ग्रीन बेल्ट या अवैध निर्माणों में पिक-एंड-चूज़ के आरोप और प्रशासनिक निरंकुशता का मुद्दा उठाया. सैफई में मुलायम सिंह यादव के नाम का सहारा लेकर अखिलेश को घेरना योगी आदित्यनाथ की एक सोची-समझी रणनीति है. इसके जरिए वे यह संदेश देना चाहते हैं कि नेताजी के सपनों को भी बीजेपी सरकार ने ही पूरा किया. दूसरी ओर, अखिलेश यादव ग्रीन बेल्ट और बुलडोजर का मुद्दा उठाकर सरकार की नीयत पर सवाल खड़ा कर रहे हैं. 2027 के महासंग्राम से पहले का यह 'मल्लयुद्ध' इस बात का साफ संकेत है कि आने वाले दिनों में यूपी की राजनीति और भी अधिक आक्रामक होने वाली है.

1275 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया सीएम ने शिलान्यास एवं लोकार्पण, जालौन नगर को किया नजरअंदाज

-सीएम से खुश नही जालौन नगर वासी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को जनपद मुख्यालय उरई में आयोजित जनसभा के दौरान 1275 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण कर जिले को विकास की नई सौगात दी। इन परियोजनाओं से जिले के कई क्षेत्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है, लेकिन जालौन नगर के लोगों में इस बात को लेकर मायूसी रही कि नगर के हिस्से में कोई नई विकास योजना नहीं आई। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के बाद नगर में पूरे दिन इसी बात की चर्चा होती रही कि एक बार फिर जालौन नगर विकास की बड़ी योजनाओं से वंचित रह गया।

नगरवासियों का कहना है कि मुख्यमंत्री के आगमन से पहले लोगों को उम्मीद थी कि वर्षों से लंबित समस्याओं के समाधान की दिशा में कोई बड़ी घोषणा होगी। लेकिन कार्यक्रम में नगर से संबंधित किसी नई योजना की घोषणा नहीं होने से लोगों की उम्मीदें टूट गईं। लोगों का कहना है कि जिस जनपद की पहचान पूरे प्रदेश में 'जालौन' के नाम से है, उसी नगर को विकास योजनाओं में अपेक्षित महत्व नहीं मिल पा रहा है। जिला मुख्यालय भले ही उरई में हो, लेकिन जिले का नाम और ऐतिहासिक पहचान जालौन नगर से जुड़ी है। इसके बावजूद नगर की आधारभूत समस्याएं वर्षों से जस की तस बनी हुई हैं। नगर के प्रमुख चुर्खी रोड की जर्जर स्थिति लंबे समय से लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। वहीं मुख्यमंत्री के पहले कार्यकाल में शिलान्यास किया गया रोडवेज बस स्टेशन भी लगभग तैयार होने के बावजूद अब तक लोकार्पण की प्रतीक्षा कर रहा है। नगरवासियों का कहना है कि सरकार जिले के अन्य क्षेत्रों की तरह जालौन नगर के विकास पर भी विशेष ध्यान दे। उनका मानना है कि नगर की सड़क, परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान होने से न केवल नगरवासियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी इसका सीधा लाभ प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के बाद लोगों ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में सरकार जालौन नगर की उपेक्षा दूर करते हुए यहां की लंबित विकास परियोजनाओं को प्राथमिकता देगी, ताकि जिले के नाम वाले इस ऐतिहासिक नगर को भी उसकी पहचान के अनुरूप विकास की सौगात मिल सके।

प्रेस क्लब पत्रकारों की बैठक कर स्वाधीनता दिवस बड़े धूमधाम से मनाने के लिए बनी रणनीति

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 26 जुलाई। प्रेस क्लब अध्यक्ष की अध्यक्षता में एवं दर्जनों पत्रकारों की मौजूदगी में बैठक आयोजित की गई। रविवार के दिन रामगंज स्थित विधायक प्रतिनिधि के निज निवास आवास पर प्रेस क्लब कालपी अध्यक्ष मनोज चतुर्वेदी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि स्वाधीनता दिवस उपलक्ष पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिवार को होने बाले कार्यक्रम आमंत्रण देकर सम्मानित करने की बात कही मौजूद प्रेस क्लब के सभी पदाधिकारी सदस्य पत्रकारों ने बैठक में अध्यक्ष की बात को सर्वसम्मत से स्वीकृति प्रदान की गई कार्यक्रम करने पर प्रेस क्लब संरक्षक बृजेंद्र सिंह चौहान को आयोजन के रूप में सर्वसम्मत से जिम्मेदारी सौंपी गई बैठक में कार्यक्रम को पूर्ण रूप से सफल बनाने के लिए लगभग 100 गणमान्य लोगों को आमंत्रित करने के लिए सहमत बनी बैठक में कई मुद्दों में चर्चा होकर पूरी तरह से रणनीत बनी इतना भी नहीं अगली बैठक पर तिथि तथा समय निर्धारित किया जाएगा बैठक में मौजूद प्रेस क्लब संरक्षक बृजेंद्र सिंह चौहान हरिश्चंद्र दीक्षित सतीश द्विवेदी राम नारायण शुक्लाआ शिवनारायण प्रजापति महामंत्री पवन निषाद प्रधान डॉ विवेक कुमार निगम अमित पांडे शिवांग शुक्ला रोहिणी शर्मा संजीव नगाइच आदि लोग मौजूद थे।

पांचवीं कांवड यात्रा का आयोजन 29 जुलाई को

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। जय बाबा वैद्यनाथ अमरदानी ग्रुप द्वारा 29 जुलाई को सायं तीन बजे से पांचवीं कांवड यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कांवड़ यात्रा नगर के बड़ी माता मंदिर से प्रारंभ होगी जो नगर भ्रमण करते हुए पेट्रोल टैंक वाले हनुमान मंदिर तक जाएगी।

चार पहिया वाहन पलटने पर चालक घायल

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 26 जुलाई। 36 वर्षीय स्वामी शरण पुत्र प्रेम स्वरूप निवासी लाल कॉलोनी कानपुर चार पहिया वाहन चलाकर उरई से कानपुर जा रहा था तभी शनिवार मध्य रात को हाईवे हरकूपुर स्टैंड समीप गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई जिससे चालक बुरी तरह से घायल हो गया घटना की सूचना पाकर पहुंची एंबुलेंस कर्मियों ने सड़क पर पड़े घायल चालक को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अशोक चक्र ने घायल चालक मरीज की जांच की जांच दौरान गंभीर स्थिति पर प्राथमिकी उपचार कर जिला अस्पताल उरई रिफर किया।

विधायक कालपी ने कालपी की समस्या मुख्यमंत्री के समक्ष रखने पर सपा नगर अध्यक्ष अधिवक्ताओं आदि ने जमकर की सराहना

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 26 जुलाई। सपा पार्टी के नगर अध्यक्ष अजीत सिंह यादव ने अवगत कराया कि मैं तथा मेरे भाई अधिवक्ता देवेंद्र श्रीवास्तव नगर को पर्यटन घोषित कराने तथा महर्षि वेद व्यास नाम रेलवे स्टेशन कालपी को रखने एवं कागज उद्योग को बढ़ावा मिलने आदि समस्याओं की मांगों को लेकर कई सालों से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंप कर बराबर मांग करते चले आ रहे थे वही अचानक 25 जुलाई दिन शनिवार को मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी जनपद जालौन उरई मुख्यालय में जनसभा को संबोधित करने जैसे ही आए वही कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने उनके समक्ष कालपी की समस्याएं रखकर अवगत कराया जिससे मैं नहीं हमारे अधिवक्ता नगर की जनता आदि समाजसेवी उनकी काबिले तारीफ कर बधाई देने का ताता लगा हुआ है।

पति के लिए रात में पानी लाने उठी महिला छत पर जमी काई से फिसल कर गिरी सड़क पर, मौत

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। पति के लिए रात में पानी लाने उठी महिला छत पर जमी काई पर पैर फिसलने से सीधे सीसी सड़क पर जा गिरी। सिर में चोट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम उदोतपुरा निवासी शिवानी (42) अपने पति सुधीर विश्वकर्मा और बेटे सौरभ के साथ रहती थीं। शनिवार की रात बिजली न आने के परिवार भोजन करने के बाद छत पर सोने चला गया था। शिवानी के पति काफी समय से बीमार चल रहे हैं। देर रात उन्हें प्यास लगी तो उन्होंने पत्नी शिवानी से पानी लाने के लिए कहा। देर रात शिवानी पति के लिए पानी लाने के लिए उठकर छत से नीचे चल दी। इसी दौरान बारिश के चलते छत पर जमी काई की वजह से उनका पैर अचानक फिसल गया। संतुलन बिगड़ने पर वह छत से सीधे नीचे सीसी सड़क पर जा गिरीं। गिरने से उनके सिर में गंभीर चोट आई और वह लहूलुहान होकर बेहोश हो गईं। छत से गिरने की तेज आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग बाहर निकल आए। गंभीर रूप से घायल शिवानी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बेटे सौरभ व पति सुधीर का रो रोकर बुरा हाल है। अस्पताल से सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल हरिशंकर चंद ने बताया कि छत से फिसलकर गिरने से महिला की मौत होने की सूचना मिली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

श्रीलक्ष्मीनारायण मंदिर की स्थापना के 104 वर्ष पूर्ण होने पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। श्रीलक्ष्मीनारायण मंदिर की स्थापना के 104 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में भारत विकास परिषद प्रमुख शाखा द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें श्रृद्धालुओं ने उपस्थित होकर सुंदरकांड पाठ में भाग लिया।

नगर के ज्वालागंज स्थित स्थित श्रीलक्ष्मीनारायण मंदिर के 104 वर्ष पूर्ण होने पर मंदिर परिसर में आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद प्रमुख शाखा एवं मंदिर व्यवस्थापक सुनील गुप्ता के सहयोग से विधि-विधान से श्रीलक्ष्मीनारायण, भगवान भोलेनाथ, प्रभु श्रीराम, हनुमानजी महाराज का पूजन-अर्चन कर सुंदरकांड पाठ किया गया। सुंदरकांड पाठ के बाद उपस्थित भक्तों ने राष्ट्र, समाज व परिवार के कल्याण की ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर शाखा अध्यक्ष अनंत गुप्ता, राजकुमार सोनी, संरक्षक सतीश सिंह सेंगर, महिला संयोजिका ऊषा गुप्ता, कंचन अग्रवाल, साधना श्रीवास्तव, सिंधुजा श्रीवास्तव, रेखा गुप्ता, पवन अग्रवाल, चंद्रप्रकाश गुप्ता, अरविंद श्रीवास्तव, अखिलेश लाक्षाकार, विजय राठौर, प्रेम कुमार गुप्ता, सौरभ श्रीवास्तव, सौरभ अग्रवाल, महेंद्र पाटकार, सुशील गुप्ता, मंगल सिंह चौहान, मनोज बाथम, राजकुमार विश्नोई आदि रहे।

आमने सामने हुई बाइक की जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार सही चार लोग बुरी तरह घायल

तीन की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर किया गया

(यंग भारत न्यूज)

कोंच बीती देर रात शनिवार को पचीपुरी के पास दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही राहगीरों ने तत्काल एम्बुलेंस को सूचना दी और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया गया।जानकारी के अनुसार, भडारी निवासी राजमिस्त्री लवलेश उम्र 23 वर्ष पुत्र परशुराम अपने लेवर फूल सिंह के साथ कोंच में कांच के मंदिर के पास राजमिस्त्री का कार्य समाप्त कर बाइक से वापस अपने गांव भडारी लौट रहे थे। इसी दौरान पचीपुरी के पास सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से उनकी बाइक जोरदार टक्कर हो गई।दूसरी बाइक पर जुम्मन उम्र 43 वर्ष पुत्र नूर मुहम्मद निवासी मालवीय नगर, कोंच तथा मोतीलाल राठौर उम्र 85 वर्ष पुत्र पुन्नू निवासी मालवीय नगर, कोंच सवार थे। बताया गया कि दोनों धौलपुर से भंडारे में शामिल होकर वापस ईपने घर कोंच लौट रहे थे।बताया गया लवलेश इतनी तेज बाइक चला रहा था कि उसका नियंत्रण खो गया जिस कारण सामने आ रही बाइक से टक्कर हो गयी।टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

सीएचसी कोंच में डॉ. गौरव शर्मा ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों ने बाइक सवार तीन घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक का मोबाइल, नकदी और मोटरसाइकिल पार

उरई में रेलवे हॉस्पिटल के पास हुई वारदात, पीड़ित ने पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (संवाददाता)। नगर के इंदिरा नगर निवासी एक युवक को स्टेशन रेलवे कॉलोनी रोड पर नींद आना भारी पड़ गया। चोरों ने मौका पाकर युवक का मोबाइल फोन, नकदी और मोटरसाइकिल पार कर दी। पीड़ित ने चौकी राजेंद्र नगर में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इंदिरा नगर निवासी दृगपाल पुत्र रतीराम बीते मंगलवार (21 जुलाई) की देर रात लगभग 12:30 बजे से 1:45 बजे के बीच स्टेशन रेलवे कॉलोनी रोड पर रेलवे हॉस्पिटल के सामने बैठा हुआ था। इसी दौरान उसे अचानक नींद आ गई। जब कुछ समय बाद उसकी आंख खुली, तो उसके पास मौजूद मोबाइल फोन, पैसे और मोटरसाइकिल गायब थे। काफी खोजबीन करने के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला, तो पीड़ित को चोरी का अहसास हुआ। ?घटना के बाद पीड़ित ने चौकी राजेंद्र नगर पहुंचकर पुलिस को आपबीती सुनाई और लिखित शिकायती पत्र सौंपा। पीड़ित ने पुलिस से प्राथमिकता दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने तथा चोरी हुआ सामान जल्द से जल्द बरामद कराने की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

भारतीय चौरसिया महासभा द्वारा शिव कुमार चौरसिया 'मोहन' पुनः जालौन जिलाध्यक्ष मनोनीत

(यंग भारत न्यूज)

उरई। संवाददाता। भारतीय चौरसिया महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय विजय चौरसिया जी के निर्देशानुसार जनपद जालौन के वरिष्ठ समाजसेवी शिव कुमार चौरसिया (उर्फ मोहन) को एक बार फिर जालौन जनपद का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उनके पुन: चयन की खबर मिलते ही जनपद के चौरसिया समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। ?समाज के प्रबुद्धजनों और युवाओं का मानना है कि शिव कुमार चौरसिया का पुन: जिलाध्यक्ष पद पर चुना जाना उनके कुशल नेतृत्व, समाज सेवा के प्रति समर्पण और अटूट निष्ठा का प्रत्यक्ष प्रमाण है। शिवकुमार चौरसिया कुसमिलिया ने बताया कि विगत वर्षों में संगठन को मजबूती देने और सामाजिक हित में किए गए। समाज को लोगों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व ने उन पर दोबारा विश्वास जताया है। ?उनके मनोनयन पर बधाई देते हुए चौरसिया समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त किया और कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि जिलाध्यक्ष के कुशल मार्गदर्शन में चौरसिया समाज निरंतर प्रगति, संगठन की मजबूती और सामाजिक एकता के पथ पर अग्रसर रहेगा समर्थकों व समाजसेवियों ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी व उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

बैंक जाने की कहकर घर से निकली महिला पहुंची दिवंगत पति के घर

-वर्तमान पति ने की आरजू मिन्नत, तब भी नही गई उसके साथ

-परेशान पति पुलिस के लगा रहा है चक्कर

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के मुहल्ला गांधी नगर की रहने वाली एक महिला बैंक जाने की बात कहकर घर से निकली लेकिन लौट कर घर नहीं आई। खोजबीन करने पर पता चला कि वह अपने दिवंगत हो चुके पहले पति के घर पहुंच गई। तमाम मिन्नतों के बाद भी उसने लौटने से इंकार कर दिया है। महिला के पति ने पुलिस से उसे वापस बुलाने की गुहार लगाई है।जानकारी के अनुसार गांधी नगर निवासी भवानी शंकर पुत्र कामता प्रसाद ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसकी दूसरी शादी (विदा) वर्ष 2014 में सरस्वती पुत्री लक्ष्मन निवासी ग्राम पचोवई मोंठ जिला झांसी के साथ हुई थी। सरस्वती का पहला पति रामलखन निवासी ग्राम खुटैला थाना कैलिया था जिसकी मृत्यु के बाद सरस्वती ने दूसरा विवाह वर्ष 2014 में उसके (भवानी शंकर) साथ किया था। शनिवार दोपहर करीब दो बजे सरस्वती उसकी गैर मौजूदगी में यह कहकर घर से निकली थी कि वह बैंक जा रही है। इसके बाद वह लौटकर घर नहीं आई। खोजबीन करने पर उसके मायके वालों ने बताया कि वह अपने पहले पति के ग्राम खुटैला चली गई है। जब उसने खुटैला जाकर पत्नी को समझाने का प्रयास किया कि वह उसके साथ वापस चले ताकि सरस्वती व उसके पूर्व पति से उत्पन्न उसकी बेटी शशि की बेहतर देखभाल हो सके, लेकिन वह नहीं मान रही है। उसे भय है कि उसकी पत्नी के साथ कोई अनहोनी न हो जाए। भवानी शंकर ने आशंका जताई है कि किसी व्यक्ति ने भोली भाली पत्नी को बातों में फंसाकर गुमराह कर दिया है जिससे वह घर से चली गई है। वह अभी भी अपनी पत्नी को अपने साथ रखना चाहता है। भवानी शंकर ने पुलिस से उपरोक्त प्रकरण में कानूनी कार्रवाई कर पत्नी को उसके सुपुर्द कराए जाने की मांग की है।

दुकान में घुसकर विधवा महिला से की मारपीट, महिला ने लगाया छेडछाड का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला तिलक नगर में एक विधवा महिला ने दो युवकों पर दुकान में घुसकर रुपये की मांग करने, मारपीट, छेड़छाड़ और जान से मारने की कोशिश का आरोप लगाया है। वही कोतवाली पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार क्षेत्र के मुहल्ला तिलक नगर निवासी महिला ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि घटना बीती देर रात की है।उसने बताया जव वह अपनी दुकान के अंदर बैठी थीं, तभी मुहल्ले के मोहित यादव और प्रदीप यादव, पुत्रगण मूलचंद यादव, दुकान पर पहुंचे और कथित तौर पर पांच हजार रुपए की मांग करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके बेटे अरुण के साथ मारपीट की। महिला का आरोप है कि जब उन्होंने और उनकी बेटी ने बीच-बचाव किया तो दोनों के साथ मारपीट की गई तथा धक्का-मुक्की करते हुए छेड़छाड़ की गई। साथ ही जान से मारने की नीयत से हमला किया गया।पीडित महिला ने बताया कि शोर-शराबा सुनकर मुहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना की सूचना तत्काल कोतवाली पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी वहां से जा चुके थे। पीड़िता ने तहरीर में यह भी आरोप लगाया है कि दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से भी कई मुकदमे दर्ज हैं। वहीं तहरीर मिलने के बाद कोतवाली प्रभारी बृजेश बहादुर सिंह ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच प्रारंभ की।

कारगिल दिवस : सैनिक ही सम्मान के असली हकदार डॉ.घनश्याम अनुरागी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कारगिल दिवस के अवसर पर उरई में चुरखी रोड पर हवलदार अनिल सिंह की दुकान के सामने पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉक्टर घनश्याम अनुरागी, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के वरिष्ठ संरक्षक एवं अध्यक्ष कमांडर अनूप मेहरोत्रा नौसेना मेडल साहब ने की। कार्यक्रम में डॉक्टर घनश्याम अनुरागी जी के द्वारा कारगिल युद्ध में शहीद हुए सिपाही योगेंद्र सिंह पाल की वीर नारी श्रीमती भूरीदेवी, जम्मू और कश्मीर में ऑपरेशन पराक्रम में शहीद हुए नायक मनोज कुमार सिंह चौहान की वीर नारी श्रीमती पुष्प लता देवी और गलवान घाटी में चीन के साथ हुई झड़प में शहीद हुए हवलदार धर्मपाल सिंह राजपूत की पत्नी श्रीमती क्रांति देवी को नारियल और शाल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले तकरीबन 70 से अधिक पूर्व सैनिकों को फूल मालाओं से सम्मानित किया गया। डॉ घनश्याम अनुरागी जी ने पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि मैं देश सेवा में अपनी जवानी कुर्बान करने वाले वीर सैनिकों के बीच में उपस्थित हूं तथा उन्होंने अपने गले में फूल माला डलवाने से मना करते हुए कहा कि सैनिकों से सम्मान करवाना अनुचित है क्योंकि सैनिक ही असली सम्मान के हकदार है तथा आज देश आप सभी वीर योद्धाओं के पराक्रम के कारण ही सुरक्षित है । कमांडर अनूप मेहरोत्रा नौसेना मेडल साहब ने सभी पूर्व सैनिकों से एकजुट होने का आह्वान करते हुए संगठन के संरक्षक एवं प्रेरणा स्त्रोत मेजर घनश्याम सिंह साहब तथा एसोसिएशन के प्रदेश संयोजक कैप्टन अखिलेश नगायच को मिले वेटरन अचीवमेंट अवार्ड की सराहना की। यह अवार्ड पिछले हफ्ते सेना के अधिकारियों के द्वारा इन दोनों वीर योद्धाओं को झांसी छावनी में हुए भव्य समारोह में दिया गया था। कैप्टन अखिलेश नगायच के द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन नायब सूबेदार दिनेश निगम ने किया। इस अवसर पर गरिमई में उपस्थित पूर्व सांसद एवं जिला पंचायत अध्यक्ष डॉक्टर घनश्याम अनुरागी ने पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमांडर अनूप मेहरोत्रा (गैलंट्री अवॉर्ड) नौसेना मेडल, प्रदेश संयोजक कैप्टन अखिलेश नगायच, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूबेदार उदय पाल, उपाध्यक्ष कैप्टन छेदा सिंह, संगठन सचिव नायब सूबेदार दिनेश निगम, लीगल एडवाइजर हवलदार अरविंद सिंह चौहान, ऑडिटर हवलदार अमर सिंह पाल, माधौगढ़ संयोजक नायब सूबेदार अनिल कुमार सिंह राठौर, कालपी तहसील संयोजक हवलदार कौशलेंद्र प्रताप सिंह जादौन, जालौन तहसील संयोजक ना0 सू0 राधेश्याम दोहरे, कानपुर देहात संयोजक हवलदार जितेंद्र सिंह सरदार, हवलदार अनिल सिंह चौहान पुरवा, मीडिया प्रभारी प्रमोद पाल, हवलदार सुरेंद्र सिंह पाल प्रधान गिरथान एवं जिला अध्यक्ष पाल समाज, हवलदार रामपाल, हवलदार संतराम तिवारी, हवलदार डी पी त्रिपाठी, हवलदार रामपाल, कैप्टन गजेंद्र सिंह, सूबेदार मुक्ता प्रसाद, सूबेदार दिनेश कुमार प्रजापति, नायब सूबेदार इंदल सिंह यादव, नायब सूबेदार शिवपाल चंदेल, हवलदार रामशरन शर्मा,नायब सूबेदार शिवपाल सिंह चंदेल, नायब सूबेदार नरेश सिंह चौहान, हवलदार जगराम प्रजापति, हवलदार रमन सिंह, नायब सूबेदार निर्भय कुमार, हवलदार राजाराम पांडे, हवलदार प्रान सिंह, हवलदार अनिल कुमार अग्निहोत्री, हवलदार जसवीर सिंह, हवलदार लल्लन सिंह, नायब सूबेदार अशोक कुमार द्विवेदी, हवलदार जालिम सिंह, हवलदार गया प्रसाद, हवलदार गोविंद सिंह कुशवाहा, एस आई पर्वत सिंह कुशवाहा, हवलदार धर्मवीर सिंह, सूबेदार सतीश कुमार यादव, हवलदार अनूप कुमार सिंह, हवलदार ओम प्रकाश याज्ञिक, हवलदार रामबली सिंह, हवलदार धर्मपाल, नायक मनोज कुमार सिंह चौहान, सिपाही योगेंद्र सिंह, सूबेदार मेजर बाबू सिंह सेंगर सहित भारी संख्या में पूर्व सैनिक और वीर नारी उपस्थिति रही।

आदर्श प्रजापति समाज ने मेधावियों का बढ़ाया हौसला, प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

-शिक्षित समाज ही सशक्त समाज का निर्माण करता है। - संतोष प्रजापति दद्दा

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन । आदर्श प्रजापति समिति जालौन के तत्वावधान में रविवार को पटेल नगर स्थित प्रजापति भवन में मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेडल, मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने शिक्षा को सामाजिक उन्नति का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए प्रतिभाओं को निरंतर प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, विशिष्ट अतिथि श्री श्री 1008 गौरीशंकर प्रजापति एवं भाजपा नगर अध्यक्ष शीतल सेंगर का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।अतिथियों ने मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि शिक्षा ही समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान करने से अन्य बच्चों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जिला संरक्षक संतोष कुमार प्रजापति (दद्दा) ने कहा कि शिक्षित समाज ही सशक्त समाज का निर्माण करता है। समाज को अपनी नई पीढ़ी को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आगे आना होगा। मेधावियों का सम्मान पूरे समाज के गौरव का सम्मान है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष छेदालाल प्रजापति ने की तथा संचालन संयुक्त मंत्री श्यामकरण प्रजापति ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में नंदकिशोर निराला एंड पार्टी व अजय-विजय ने प्रस्तुति देकर समां बांध दिया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष छेदालाल प्रजापति, उपाध्यक्ष जयपाल सिंह प्रजापति पिण्डारी, महामंत्री अशोक कुमार प्रजापति गिगौरा, संयुक्त मंत्री श्याम करन प्रजापति सैदनगर,संगठन मंत्री राम अवतार प्रजापति गालमपुर,कोषाध्यक्ष सुशील कुमार प्रजापति जालौन, आडीटर प्रथम राकेश कुमार प्रजापति नरछा,आडिटर कृष्णकान्त प्रजापति, जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ट अमित प्रजापति खरूसा, मीडिया प्रभारी अनिल प्रजापति,जिला महामंत्री युवा लक्ष्मीकांत प्रजापति एडवोकेट, महिला प्रकोष्ट मुख्य संरक्षक संतोषी प्रजापति, महिला प्रकोष्ट जिलाध्यक्ष आशा प्रजापति,महामंत्री त्रिवेंणी प्रजापति,सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी, छात्र-छात्राएं और अभिभावक मौजूद रहे।

बहू-बेटी सम्मेलन में महिलाओं व बालिकाओं की समस्याएं सुनीं

मिशन शक्ति के तहत हेल्पलाइन नंबर देकर जागरूक किया

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत विख्यात धर्मस्थल मां वनखंडी धाम परिसर में कोतवाली कालपी की महिला सब इंस्पेक्टर ममतेश कुमारी के नेतृत्व में बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में महिलाओं एवं बालिकाओं की समस्याओं सुनकर उनके समाधान के लिए कार्यवाही करने का भरोसा दिया गया।

स्थानीय कोतवाली की मिशन शक्ति प्रभारी सब इंस्पेक्टर ममतेश कुमारी की अगुवाई आयोजित कार्यक्रम में महिला कांस्टेबल सोनम देवी तथा रिक्रूट महिला सिपाहियों नेहा पटेल, लक्ष्मी उपाध्याय आदि पुलिस टीम ने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी कानूनों की जानकारी दी। टीम ने महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 समेत अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता लेने की अपील की। कार्यक्रम में महिला सब इंस्पेक्टर ममतेश कुमारी के द्वारा पम्पलेट बाटकर साइबर अपराध, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न तथा महिला सुरक्षा से जुड़े विषयों पर जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं ने भी अपनी समस्याएं रखीं। जिनके समाधान का आश्वासन दिया गया।

सपा प्रदेश सचिव महेश कश्यप का दावा: 2027 में सपा की बनेगी सरकार, जालौन की तीनों सीटों पर होगी जीत

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव महेश कश्यप ने सपा जिला कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी जनपद की तीनों विधानसभा सीटों पर भारी अंतर से जीत दर्ज करेगी। उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पर पीडीए कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है और जनता से किए गए वादों को पूरा करने में नाकाम रही है।

महेश कश्यप ने कहा कि प्रदेश की जनता, युवा, छात्र, बेरोजगार और मजदूर मौजूदा सरकार से त्रस्त हैं और अब बदलाव के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विकास के नाम पर पुराने कार्यों को ही दोहराकर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की जनता इस बार सपा के पक्ष में परिणाम देने जा रही है और बुंदेलखंड की 19 विधानसभा सीटों में सपा को अधिकांश सीटों पर सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को जनता का समर्थन मिलेगा और सपा मुखिया अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सरकार बनेगी। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता अब सपा की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की इस भ्रष्ट सरकार को जनता 2027 के चुनाव में उखाड़ फेंकेगी। पत्रकार वार्ता के दौरान सपा जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर, जमालुद्दीन पप्पू, सभासद शादाब बजरिया, महेश विश्वकर्मा, सुरेंद्र बजरिया, लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष लल्ला यादव, महेश शिरोमणि दोहरे, पंकज दीक्षित, वीरेंद्र यादव, महेश द्विवेदी, महिला जिलाध्यक्ष कुसुम सक्सेना, महेंद्र कठेरिया, बब्लू अहिरवार नरछा, मनोज अहिरवार, आनंद यादव, जीवन बाल्मीकि, अमित अहिरवार नरछा, गोपाल जी मिश्रा, जयशंकर द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में सपाजन मौजूद रहे।

प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल मेधावी बच्चों को डॉ. भीमराव अम्बेडकर सांस्कृतिक संस्थान ने किया सम्मानित

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर सांस्कृतिक संस्थान, उरई द्वारा अनुसूचित जाति के मेधावी छात्र-छात्राओं एवं प्रतियोगी परीक्षाओं (नीट, इंजीनियरिंग, सरकारी सेवाओं) में सफल अभ्यर्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया।संस्थान के अध्यक्ष अंबिका प्रसाद दोहरे की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक के.के. शिरोमणि ने किया।

समारोह में नम्रता, अभिनव सिंह, लावण्या सिंह, रूपा वाल्मीकि, अरिजीत सिंह, सिद्धार्थ राज, पूजा, सत्येंद्र कुमार, सोभनी, गौरव सिंह, हिमांशु राजा, जूली देवी और सुमित गौतम सहित कई प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को माल्यार्पण, प्रशस्ति-पत्र एवं डॉ. अम्बेडकर का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व, संस्थान के सदस्य मिस्टर सिंह ने 2 अक्टूबर 1994 को धर्मराज के यहाँ हुई बैठक से प्रारंभ हुई संस्थान की यात्रा को याद करते हुए बताया कि किस प्रकार संस्थान ने समाज की सेवा में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने संस्थान के पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारियों के त्याग व सहयोग को सराहा और संकल्प व्यक्त किया कि संस्थान को और अधिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया जाएगा। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों ने स्थानीय विधायक गौरी शंकर वर्मा के संस्थान प्रति अतुलनीय योगदान को याद करते हुए उनका आभार व्यक्त किया और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी एवं बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेंद्र शिरोमणि ने कहा कि आज हमें जो अधिकार प्राप्त हैं, वे बाबा साहब के संघर्ष का परिणाम हैं। उन्होंने मेधावी छात्राओं से आह्वान किया कि वे जातिवाद की बाधाओं से न घबराएँ और अपने लक्ष्य पर अडिग रहें। एल आई सी प्रबंधक आर.एन. गौतम ने कहा कि हमें पिछड़े वर्गों की शिक्षा व रोजगार पर विशेष ध्यान देना चाहिए। आईटीआई के पूर्व प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार ने कहा कि शिक्षा के दौरान संघर्ष आएँगे, परन्तु उनसे घबराना नहीं है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं महामंत्री उजागर लाल दोहरे ने कहा कि इस संस्थान को खड़ा करने में समाज के प्रत्येक व्यक्ति ने अहम भूमिका निभाई है, और हम सबका कर्तव्य है कि इसे और आगे बढ़ाएँ। भंते विनोद आचार्य ने बौद्ध रीति से विवाह पंजीकरण की अपील की, वहीं सपा नेता महेश चंद शिरोमणि व महेश विश्वकर्मा ने भी संस्थान के सामाजिक योगदान की सराहना की। सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता राम आसरे दोहरे ने बताया कि वे संस्थान के निर्माण से लेकर आज की स्थिति तक के साक्षी हैं और उन्होंने सम्मानित बच्चों को कठोर परिश्रम का महत्व समझाया। कार्यक्रम में गौरी शंकर बाबूजी, अशोक मौर्य, बलजीत दोहरे, महेंद्र सिंह दोहरे, आत्माराम फौजी, कुसुमा देवी, विक्रम बाल्मीकि, बद्री प्रसाद बुंदेला, बृज बिहारी दोहरे, धर्म नारायण चौधरी, श्याम प्रकाश दोहरे, राम अवतार सिंह गौतम, राकेश ममना, डॉ. सत्येंद्र कुमार दोहरे, भंते शिखानंद, उषा दोहरे सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। अंत में संस्थान अध्यक्ष अंबिका प्रसाद चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

सर्पदंश से महिला की अकाल मौत, परिवार में मचा कोहराम

(यंग भारत न्यूज)

उरई । जनपद के गोहन थाना क्षेत्र के बिजडुआ गांव के रामनगर में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 38 वर्षीय महिला की सर्पदंश से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।

जानकारी के अनुसार रामनगर निवासी रजनी देवी (38) रविवार सुबह घर में भोजन बनाने की तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान वह चूल्हा जलाने के लिए घर के पास रखे कंडे लेने गईं। बताया जाता है कि कंडों के बीच छिपे जहरीले सांप ने उन्हें डस लिया। सर्पदंश के कुछ ही देर बाद उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी, जिससे परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। परिजन तत्काल रजनी देवी को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है तथा पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।पुलिस ने मौके पर पहुंच शव का पंचनामा भर कर पोस्ट मार्टम को भिजवा दिया।

कदौरा पुलिस ने दबोचा चोरी का माल खरीदने वाला, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद के थाना कदौरा पुलिस ने चोरी के माल की खरीद-फरोख्त करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, 21 जुलाई 2026 को ग्राम बसेठी निवासी राममिलन सिंह ने अपने घर में हुई चोरी की रिपोर्ट थाना कदौरा में दर्ज कराई थी। इस मामले में अज्ञात चोरों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस ने पूर्व में इस घटना में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पूछताछ के दौरान चोरी के जेवर खरीदने वाले आरोपी जयविंद्र पुत्र महेश सोनी, निवासी ग्राम दुर्गीगढ़, थाना पनवाड़ी, जनपद महोबा का नाम सामने आया। इसके बाद थाना कदौरा पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह चोरी के सोने-चांदी के जेवर खरीदने और बेचने का कार्य करता है। उसने बताया कि चोरी के जेवरों को गलवाकर सुनार के माध्यम से बेच दिया गया था, जिससे उसे लगभग 10,000 का लाभ हुआ। आरोपी के कब्जे से ?4,170 नकद भी बरामद किए गए हैं। इस कार्रवाई को थाना कदौरा पुलिस टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

हीरापुर के घायल हुए युवक का सीएचसी में भर्ती कर इलाज हुआ

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हीरापुर निवासी एक युवक घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार कर निगरानी में रखा है। चिकित्सालय सूत्रों के अनुसार सुधीर पुत्र नन्द लाल, निवासी ग्राम हीरापुर, घायल अवस्था में सीएचसी कालपी पहुंचे। इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉ. अशोक चक एवं उनकी टीम ने घायल का उपचार किया। उपचार के बाद चिकित्सकों ने युवक की हालत स्थिर बताई है। चिकित्साधिकारी के मुताबिक पहले जब युवक अस्पताल में आया तो ग़लत जानकारी देरहा था ।लेकिन बाद में दोबारा पुलिस के साथ युवक चिकित्सालय पहुंचा मश। कर इलाज किया गया।

यमुना तट पर अवैध खनन की शिकायत पर वन विभाग सक्रिय, एसडीएफओ ने किया स्थलीय निरीक्षण

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। कालपी क्षेत्र में यमुना तट पर कथित अवैध खनन, रिटेनिंग वॉल को क्षति पहुंचाने तथा ओवरलोड वाहनों के संचालन की शिकायत पर वन विभाग हरकत में आ गया है। ग्राम पंचायत कीरतपुर के प्रधान पवनदीप निषाद की शिकायत पर उप प्रभागीय वनाधिकारी (एसडीएफओ) सतेंद्र तोमर ने मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एसडीएफओ ने शिकायतकर्ता के बयान दर्ज किए तथा यमुना तट, रिटेनिंग वॉल और आसपास के क्षेत्र का गहन अवलोकन किया। प्रारंभिक जांच में शिकायत के कई बिंदु प्रथम दृष्टया सही पाए गए हैं। इसके बाद वन रेंजर से संबंधित भूमि की स्थिति स्पष्ट करने के लिए विस्तृत रिपोर्ट तलब की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि रिटेनिंग वॉल के सपोर्टिंग पिलरों को क्षतिग्रस्त कर अवैध रास्ता बनाया गया है, जिसका उपयोग भारी ओवरलोड डंपरों के आवागमन के लिए किया जा रहा है। लगातार भारी वाहनों की आवाजाही से करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित रिटेनिंग वॉल को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई गई है। साथ ही यमुना तट स्थित ऐतिहासिक किला, जिसे स्थानीय लोग रानी लक्ष्मीबाई के मंत्रणा कक्ष से जुड़ी धरोहर मानते हैं, तथा मोरी घाट मंदिर पर भी खतरा मंडराने की बात कही गई है। शिकायत के अनुसार लगातार अवैध खनन से यमुना नदी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होने के साथ-साथ क्षेत्र की ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहरों की सुरक्षा पर भी संकट उत्पन्न हो गया है। प्रधान पवनदीप निषाद ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो ऐतिहासिक धरोहरों को अपूरणीय क्षति हो सकती है। एसडीएफओ सतेंद्र तोमर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शिकायत के तथ्य प्रथम दृष्टया सही पाए गए हैं। वन रेंजर की आख्या एवं संबंधित अभिलेख प्राप्त होने के बाद विस्तृत जांच रिपोर्ट शासन और उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी, ताकि नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान एसडीओ रवि कटियार, वन रेंजर देवेंद्र कुमार, वन दरोगा अजीत कुमार, लेखपाल जितेंद्र यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आगरा से मुख्यमंत्री ने किया प्रदेशव्यापी शुभारम्भ, जालौन में जनप्रतिनिधियों ने 26 शिक्षकों को सौंपे कैशलेस कार्ड

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का जनपद में हुआ शुभारम्भ, 4 हजार से अधिक शिक्षकों को मिलेगा स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा से मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना एवं शिक्षकों की सामाजिक सुरक्षा के लिए पंजाब नेशनल बैंक के साथ हुए अनुबंध कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत प्रदेश के 1.28 लाख से अधिक उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षक एवं उनके परिवार कैशलेस चिकित्सा सुविधा से लाभान्वित होंगे।

जनपद जालौन में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद सिंह चौहान, एमएलसी प्रतिनिधि डॉ. मयंक त्रिपाठी, प्रशासनिक अधिकारी तथा विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने 26 शिक्षकों को कैशलेस स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए। जनपद के लगभग 4 हजार शिक्षक इस योजना का लाभ प्राप्त करेंगे। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने योजना को शिक्षकों के हित में ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि इससे विशेष रूप से स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षकों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने लाभार्थी शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार शिक्षकों के सम्मान और उनके स्वास्थ्य संरक्षण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में यह योजना सरकार के संकल्प और संवेदनशीलता का प्रमाण है। कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों के सम्मान और उनके स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का योगदान राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि स्वस्थ शिक्षक ही उत्कृष्ट एवं संस्कारित विद्यार्थियों का निर्माण कर सकते हैं और वही एक सशक्त समाज की नींव रखते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों को योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने शिक्षकों के स्वास्थ्य की चिंता को प्राथमिकता देते हुए एक महत्वपूर्ण सौगात प्रदान की है। उन्होंने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ एवं निरोगी जीवन की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। नोडल अधिकारी एवं दयानंद वैदिक कॉलेज उरई के प्राचार्य प्रो. राजेश चंद्र पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों के सामाजिक एवं स्वास्थ्य सुरक्षा तंत्र को और अधिक मजबूत बनाएगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सर्वेश कुमार शांडिल्य ने किया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, जिला विकास अधिकारी प्रशांत पाण्डेय सहित दयानंद वैदिक कॉलेज उरई, कालपी कॉलेज कालपी, गांधी कॉलेज उरई तथा पंडित गंगाधर पांडे महाविद्यालय जालौन के शिक्षक एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बीच सड़क और चौराहों पर सवारी उतारे व बैठाए जाने से रोज लगता है जाम

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ(जालौन)। तहसील माधौगढ़ के नगरों माधौगढ रामपुरा ऊमरी में ई-रिक्शा चालकों की बढ़ती संख्या और यातायात नियमों की अनदेखी के कारण आम लोगों को आए दिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तीनों नगरों की प्रमुख बाजारों के साथ हो चौराहों और सड़कों पर भी ई-रिक्शा चालकों द्वारा मनमाने तरीके से वाहन खड़ा करने और सवारी बैठाने के कारण कई स्थानों पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इससे राहगीरों, दुकानदारों और अन्य वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि ज्यादातर ई-रिक्शा चालक यातायात नियमों का पालन नहीं करते हैं। कुछ चालक क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर वाहन चलाते हैं, जबकि कई जगह सड़क के बीच में ही ई-रिक्शा रोककर सवारी उतारते एवं बैठाते हैं। इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इतना ही नहीं कई क्षेत्र में कुछ नाबालिग बच्चों द्वारा भी ई-रिक्शा चलाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसे में वाहन चलाने का अनुभव और यातायात नियमों की पर्याप्त जानकारी नहीं होने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। लोगों का कहना है कि नाबालिगों द्वारा ई-रिक्शा चलाने पर प्रभावी रोक लगाई जानी चाहिए और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कर्रवाई होनी चाहिए। नगरों में संचालित ई-रिक्शा चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के कागजात और चालको की उम्र की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जाना चाहिए। साथ ही इन शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। यह भी मांग उठ रही है कि प्रमुख चौराहों और बाजारों में ई-रिक्शा के लिए स्थान निर्धारित किए जाएं, ताकि सड़क पर अनावश्यक जाम न लगे और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे। बेशक ई-रिक्शा आम जनता के लिए सुविधाजनक परिवहन का साधन है, लेकिन नियमों का पालन सुनिश्चित किए बिना इसका संचालन लोगों के लिए परेशानी और दुर्घटना का कारण बन सकता है।

कबीर विज्ञान आश्रम में गुरू पर्णिमा महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। सद्गुरू कबीर विज्ञान आश्रम में गुरू पर्णिमा महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिसमें पर्व की रूपरेखा बनाई गई। नगर के मोहल्ला नया खंडेराव स्थित सद्गुरू कबीर विज्ञान आश्रम में 28 जुलाई को 31वां गुरू पूर्णिमा महोत्सव मनाया जाएगा। इसको लेकर आश्रम परिसर में आयोजित बैठक में अध्यक्ष बृजकिशोर ने कहा कि गुरू पूर्णिमा के अवसर पर आश्रम में संत सम्मेलन का आयोजन कराया जाएगा। जिसमें 28 जुलाई को बाहर से आने वाले संतजनों के प्रवचन होंगे। प्रवचन के बाद सत्संग का आयोजन होगा। रात में भजन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अगले दिन 29 जुलाई को सुबह छह बजे से प्रभात फेरी निकाली जाएगी। सुबह 10 बजे आरती होगी। दोपहर दो बजे से भंडारे का आयोजन होगा और संतों की विदाई होगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उन्होंने उपस्थितजनों से उन्हें सौंपे गए दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन करने की अपील की। इस मौके पर महंत गुरूप्रसाद दास साहेब, पुजारी सुदरदास साहेब आदि रहे।

पालिकाध्यक्ष ने नगर के दो वार्डो में सीसी रोड सड़क निर्माण का किया भूमिपूजन

-सड़को के निर्माण में 35 लाख होगा खर्च

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने वार्ड नंबर 19 और वार्ड नंबर 16 में विकास कार्यों का विधिवत भूमि पूजन किया। दोनों परियोजनाओं के शुरू होने से स्थानीय लोगों को बेहतर सड़क सुविधा मिलने की उम्मीद बंध गयी है।वार्ड नंबर 19 के पटेल नगर पूर्वी में पूरनदास अग्रवाल के मकान से शंकर जी मंदिर होते हुए झल्लू यज्ञिक के मकान तक सीसी रोड का निर्माण कराया जाएगा। इस सड़क की लंबाई 160 मीटर, चौड़ाई 4.90 मीटर होगी, जिस पर लगभग 17 लाख रुपये की लागत आएगी। लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग कर रहे क्षेत्रवासियों ने इस कार्य के शुरू होने पर खुशी का इजहार कर पालिकाध्यक्ष को धन्यवाद ज्ञापित किया।वही पालिकाध्यक्ष ने वार्ड नंबर 16 में शंभू साहब पुल से सुदामा के मकान के पास तक इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस परियोजना की लंबाई 170 मीटर,चौड़ाई 5 मीटर है और इस कार्य में लगभग 18 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।पालिका के अनुसार इन विकास कार्यों से आवागमन सुगम होगा और स्थानीय नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी। भूमि पूजन कार्यक्रम में वार्ड सभासद नरेश कुशवाहा, सभासद प्रतिनिधि अशोक गुर्जर, अमित उपाध्याय, ऋषि अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, राजू यज्ञिक, रामकिशोर कुशवाहा, पूरनदास अग्रवाल, आकाश गुप्ता, बेटू गर्ग सहित बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे। पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि नगर के सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सड़क, नाली और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए नगर पालिका लगातार कार्य कर रही है, ताकि नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

रामनगर (बिजदुवां)मंदिर से हटे अतिक्रमण ग्रामीणों ने उठाई मांग

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ (जालौन)तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत बिजदुवां के मजरा रामनगर निवासी बुद्ध प्रकाश अतर सिंह राजबहादुर धारा सिंह सौरभ सिंह रामशंकर राजाबाबू प्रेमदास सुनील कुमार बलवीर मलखान बृम्हादीन नरेन्द्र सोहन सिंह रन सिंह चंषद्रभान सिंह महेश कुमार कमलेश भीम सिंह अमर सिंह हुकुम सिंह संजय कुमार रणजीत सिंह जयनारायण रामसिया बलराम हरनारायण नारायण सिंह रामशरण अरविंद कुमार समेत अन्य ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी जिलाधिकारी मुख्यमंत्री पोर्टल से लेकर अन्य अधिकारियों को शिकायती प्रार्थना पत्र देते हुए अपने पत्र में लिखा कि बिजदुवां मजरा रामनगर की गाटा संख्या 425 की आराजी राजस्व अभिलेखों में सरकारी मंदिर में दर्ज है आरोप लगाया कि विपक्षी इन्द्रपाल सिंह ने उक्त जगह पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है निर्माण काम हेतु दरवाजा लगा रखा है यह भूमि मंदिर देव स्थान हेतु सुरक्षित है कब्जाधारी दबंग अपना कब्जा हटाने से मना करते है वहीं जांच के लिए जाते अधिकारियों के समक्ष उक्त न आकर भाग जाता है। चिंहित की गई जगह को वह नहीं मानता है। उक्त दबंग शासन प्रशासन को गलत ठहराता है उक्त नेग्रामीणों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र उक्त जगह की नाप करवाते हुए सीमांकन कर मंदिर की जगह से अवैध कब्जा हटवाया जाए ग्रामीणों का आरोप है कि जांच के लिए क्षेत्रीय लेखपाल आता है और खानापूर्ति कर चला जाता है और लेखपाल कहते है कि संयुक्त का गठन पुलिस समेत कराएं तभी समस्या का समाधान संभव है

वीरांगना फूलन देवी के शहादत दिवस पर शिवगंज में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

जगम्मनपुर (जालौन)- जुलाई। वीरांगना फूलन देवी के शहादत दिवस के अवसर पर शिवगंज में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर वीरांगना फूलन देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए तथा दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि फूलन देवी का जीवन संघर्ष, साहस, आत्मसम्मान और सामाजिक न्याय की लड़ाई का प्रतीक रहा है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया तथा वंचित, शोषित एवं कमजोर वर्गों की आवाज बनकर कार्य किया। उनका जीवन आज भी समाज के लोगों को अन्याय के खिलाफ खड़े होने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। वक्ताओं ने कहा कि फूलन देवी ने अपने राजनीतिक जीवन में गरीब, पिछड़े और वंचित वर्गों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उनका व्यक्तित्व एवं संघर्ष समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि समाज में समानता, शिक्षा, सामाजिक सद्भाव और न्याय की स्थापना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके जीवन से प्रेरणा लेने तथा समाज में भाईचारा, समानता और सामाजिक न्याय की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया तथा उनके संघर्षपूर्ण जीवन को याद करते हुए शत-शत नमन किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नीरज निषाद, एडवोकेट तुलाराम निषाद, हरिश्चंद्र निषाद, चंद्रशेखर निषाद, अमित निषाद, सुरेंद्र निषाद, रामविहारी निषाद, कमल सिंह निषाद, कामता प्रसाद निषाद, उदय सिंह निषाद, तुलसीराम संखवार निषाद, विनोद कुमार निषाद एवं सर्वेश कुमार निषाद उपस्थित रहे।

विभाग की लापरवाही हजारों पेड गिराने के बाद लग रहे नये पेड

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़(जालौन) वैसे तो वन विभाग की पेड़ों की रखवाली के लिए कड़ी नज़र हैं कि कोई भी व्यक्ति एक भी सूखे पेड़ की लकड़ी तो छोड़ो टहनी भी न छू पाए इसके लिए कड़ी निगेहबानी किए हैं मींगनी बेहड भूमि में लगे पेडों को जेसीबी के माध्यम से खोदकर जड सहित समाप्त किया गया फिर उसी जगहों पर पुन वृक्षारोपण किया जि रहा है आखिर ये कैसा नाटक है वहीं बेहड की भूमि में वन विभाग के द्वारा लगाए गए पेड़ों में सड़क मार्गों के किनारे किनारे आग लगाकर समाप्त किए गए हैं जिन पर नजर वन विभाग की जरा भी नहीं है यही नहीं तहसील क्षेत्र के किसी भी सड़क मार्ग की ओर देखा जाए तो सड़क मार्ग के किनारे खड़े पेड़ों को जलाया गया पर अभी तक किसी तरह की जांच नहीं की गई न ही आज तक बताया गया कि वन विभाग के कितने पेड़ किन कारणों से जलकर राख हो गये हैं पूर्व में कैलोर के पास लगी आग को बुझाने दमकल विभाग की टीम आई वहीं वन विभाग के दरोगा अमित कुमार भी मौजूद थे लोगों ने जब पूछा तो वन विभाग और अग्नि शमन केन्द्र के अधिकारियों का कहना था कि यह आग किसानों द्वारा पराली जलाने को लेकर लगाई गई थी जिसकी सूचना उपजिलाधिकारी को दी गई है ऐसे ही सुल्तानपुरा गांव पर बड़े बड़े जामुन के पेड़ खड़े थे वे भी जलकर भस्म हो गये हैं जबकि इन पेड़ों से हजारों की संख्या में निकलने वाले राहगीरों को जामुन खाने का भरपूर आनंद मिलता था पर जामुन के पेड़ कैसे जले आज तक कोई भी स्थिति का सापेक्षीकरण नहीं हो सका है

5 पीएचसी में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेलों में 149 मरीजों का हुआ इलाज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन) शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत कालपी, बावई, चुरखी, नियामतपुर तथा महेवा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेलों का आयोजन किया गया। जिसमें चिकित्सकीय टीमों के द्वारा 149 मरीजों का इलाज किया गया। डाक्टरों के द्वारा बदलते मौसम में नागरिकों को स्वस्थ रहने की सलाह दी गई।

रविवार को आयोजित नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उदनपुरा कालपी में चिकित्साधिकारी डॉक्टर अमित पोरवाल की अध्यक्षता में आयोजित मेले में 53 मरीजों का इलाज किया गया। जिसमें 32 पुरुष व 21 महिला मरीज शामिल रहे। मेले में शुगर के 5 टेस्ट किए जबकि बुखार तथा स्किन के 6-6मरीजों की जांच की गयी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महेवा में चिकित्साधिकारी डॉ शेख शहरयार, कर्मचारियों मनीष कुमार, कमलेश कुमार की मौजूदगी में आयोजित मेले में 24 मरीजों का इलाज किया गया। सरकारी चिकित्सालय बावई में 31, चुरखी चिकित्सालय में 19 रोगियों का तथा नियामतपुर चिकित्सालय में 22 मरीजों का इलाज हुआ। मेलो में कंडोम, टेबलेट तथा सामग्रियों का वितरण कर परिवार कल्याण कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया। चिकित्साधिकारी डॉक्टर अशोक चक ने बताया कि वर्तमान समय में बरसात तथा भीषण गर्मी में सभी लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें।खुला एंव बासी भोजन का सेवन न करें।

खेत में लगे नलकूप का स्टार्टर चोरी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई ।खेत में लगे नलकूप का स्टार्टर का रात में अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया। स्टार्टर चोरी की सूचना पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मांडरी निवासी कौशलेंद्र ने पुलिस को बताया कि गांव के बाहर उनका खेत स्थित है। खेत में फसल की सिंचाई के लिए नलकूप लगा हुआ है। नलकूप को चलाने के लिए अंदर स्टार्टर और अन्य सामान रखा था। रात में अज्ञात चोरों ने नलकूप में लगा स्टार्टर और अन्य सामान चोरी कर लिया। काफी तलाश करने के बाद भी चोरों का पता नहीं चला। पीड़ित किसान की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी है।

कालपी कोतवाली में सब इंस्पेक्टर सतीश चन्द्र ने संभाला पदभार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन) जनपद पुलिस प्रशासन में हुए फेरबदल के तहत सब इंस्पेक्टर सतीश चन्द्र ने रविवार को कोतवाली कालपी में पदभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण तथा फरियादियों की शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण को अपनी प्राथमिकता बताया। मूल रूप से करहल (मैनपुरी) निवासी सतीश चन्द्र वर्ष 1995 में पुलिस विभाग में कांस्टेबल के रूप में भर्ती हुए थे। वर्ष 2025 में पदोन्नति के बाद उन्हें सब इंस्पेक्टर बनाया गया। इससे पूर्व वह शाहजहांपुर, इटावा और औरैया सहित कई जनपदों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं तथा विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। कोतवाली में पदभार ग्रहण करने के बाद सब इंस्पेक्टर सतीश चन्द्र ने प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी, एडिशनल इंस्पेक्टर अवनीश कुमार तथा वरिष्ठ उपनिरीक्षक उदय प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारियों से मुलाकात कर क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, लंबित प्रकरणों एवं पुलिस कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

पत्नी की हत्याकर थाने पहुंचा पति, बोला- जाओ लाश ले आओ; बागपत में रि. दरोगा के बेटे ने किया संगीन अपराध

(यंग भारत न्यूज)

बागपत। बराल गांव में शनिवार दोपहर एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। एक व्यक्ति अपनी पत्नी को अमरूद तोड़ने के बहाने बाइक पर खेत में ले गया और वहां गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित सीधे थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित की निशानदेही पर खेत से महिला का शव बरामद कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस हत्या के पीछे के कारणों की जांच में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, बराल निवासी सेवानिवृत्त दारोगा धर्मपाल के बेटे संदीप उर्फ संजू की वर्ष 2006 में गांगनौली गांव की प्रीति से शादी हुई थी। वर्ष 2009 में बीमारी के कारण प्रीति की मौत हो गई थी। प्रीति से संदीप का 18 वर्षीय बेटा दक्ष है। पत्नी की मौत के लगभग दो महीने बाद संदीप ने अपनी साली मधु से विवाह कर लिया था। मधु से उसकी 15 वर्षीय बेटी मानवी है।

शनिवार दोपहर संदीप अपनी पत्नी मधु को बाइक पर खेत में अमरूद तोड़ने के बहाने ले गया। खेत में उसने मधु का

गला दबाकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपित शाम लगभग चार बजे खुद रमाला थाने पहुंचा और पुलिस को बताया कि उसने अपनी पत्नी मधु की हत्या कर दी है। यह सुनकर पुलिस भी हैरान रह गई। पुलिस आरोपित को साथ लेकर खेत पहुंची, जहां महिला का शव पड़ा मिला। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर हत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इधर, घटना से कुछ घंटे पहले मधु का भाई कपिल गांगनौली से किशनपुर दवाई लेने आया था। इस दौरान वह बहन की ससुराल भी पहुंचा। वहां उसकी मुलाकात मधु की सास से हुई। उन्होंने बताया कि संदीप और मधु किसी काम से बाहर गए हैं। कपिल बहन से मिले बिना वापस लौट गया। शाम को पुलिस ने उसे फोन पर मधु की हत्या की सूचना दी, जिसके बाद वह बदहवास हालत में थाने पहुंचा। घटना के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। गांव में भी दिन भर इस वारदात की चर्चा रही। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। सीओ अंशु जैन का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हत्या के पीछे पारिवारिक विवाद, आपसी मनमुटाव या अन्य किसी कारण की भी जांच की जा रही है। बराल गांव में हुई इस हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। जिस परिवार में कानून की रक्षा करने वाले लोग हैं, उसी परिवार में हुई इस वारदात ने सभी को हैरान कर दिया। आरोपित संदीप उर्फ संजू के पिता धर्मपाल उत्तर प्रदेश पुलिस से सेवानिवृत्त दारोगा हैं। उसका भाई राजीव भतीजा प्रतीक भी पुलिस विभाग में दारोगा के पद पर तैनात है। ऐसे परिवार में इस तरह की घटना होने से गांव के लोग भी स्तब्ध हैं। इस घटना ने दोनों परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। मधु अपने पीछे 15 वर्षीय बेटी मानवी को छोड़ गई है, जबकि संदीप की पहली पत्नी से 18 वर्षीय बेटा दक्ष है। मां की हत्या और पिता के जेल जाने की स्थिति ने दोनों बच्चों के भविष्य पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। मधु का भाई कपिल भी इस घटना से टूट गया। वह दोपहर में बहन से मिलने ससुराल पहुंचा था, लेकिन बहन से मुलाकात नहीं हो सकी। कुछ घंटे बाद पुलिस से मिली हत्या की सूचना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। गांव में हर जुबान पर एक ही सवाल है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि पति ने अपनी पत्नी की जान ले ली। पुलिस अब इसी सवाल का जवाब तलाशने में जुटी है।

स्विफ्ट कार में पानी भरते ही लॉक हुए दरवाजे, 5 की दर्दनाक मौत, ऐसे गहरे तालाब में समाई

(यंग भारत न्यूज)

खुजनेर थाना अंतर्गत भीलखेड़ी जोड़ के पास शनिवार को एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सड़क हादसा सामने आया है. यहां एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित गहरे तालाब में जा गिरी.

इस दर्दनाक दुर्घटना में कार सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों की पहचान शाजापुर जिले के निवासी गोविंद तिवारी (55), कमल तिवारी (57), शंकर लाल (57), रोहित खाती (25) और अरविंद खाती (30) के रूप में हुई है. शुरुआती जांच के अनुसार, यह स्विफ्ट कार शुजालपुर जा रही थी. जैसे ही वह भीलखेड़ी जोड़ के पास पहुंची, चालक तेज रफ्तार कार पर से नियंत्रण खो बैठा और फिर वह सीधे सड़क किनारे स्थित तालाब में जा गिरी. 1460 दिन में 12 लाख नशे में बर्बाद किए, 19 साल के सर्वेश ने दुनिया छोड़ने से पहले बयां किया दर्द पुलिस द्वारा आशंका जताई जा रही है कि पानी में गिरते ही कार के दरवाजे और शीशे पूरी तरह लॉक हो गए थे. पानी का भारी दबाव बढ़ने के कारण भीतर फंसे लोग लाख कोशिशों के बावजूद समय रहते दरवाजे नहीं खोल सके. दम घुटने और पानी में डूबने के कारण किसी को भी संभलने का मौका नहीं मिला. हादसे की सूचना मिलते ही खुजनेर थाना प्रभारी रवि ठाकुर पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे. स्थानीय ग्रामीणों और प्रशासन की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया. कड़ी मशक ?कत के बाद कार को तालाब से बाहर निकाला गया. ज्वेलर्स को 50 ग्राम सोना बेचना पड़ा भारी, 20 दिन बाद बैंक खाता फ्रीज; आखिर ऐसा क्यों हुआ? कार सवार युवकों की जेब से मिले दस्तावेजों और जांच के आधार कार सवार पांचों मृतक की पहचान शाजापुर जिले के निवासी गोविंद तिवारी (55), कमल तिवारी (57), शंकर लाल (57), रोहित खाती (25) और अरविंद खाती (30) के रूप में हुई है. पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और परिजनों को सूचित कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है.

अमरूद तोड़ने के बहाने खेत ले गया पति, साली से बनी पत्नी की बेरहमी से हत्या, फिर खुद थाने पहुंचकर...

(यंग भारत न्यूज)

बागपत जिले में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की कथित तौर पर गला दबाकर हत्या करने के बाद खुद थाने पहुंचकर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर खेत से महिला का शव बरामद कर उसे हिरासत में ले लिया।

पुलिस के अनुसार, रमाला थाना क्षेत्र में बराल गांव निवासी संदीप दोपहर को अपनी पत्नी मधु (35) को अमरूद तोड़ने के बहाने बाइक से खेत में ले गया, जहां उसने कथित तौर पर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि वारदात के बाद आरोपी शाम करीब 4 बजे रमाला थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पर पुलिस आरोपी को साथ लेकर घटनास्थल पहुंची, जहां खेत से महिला का शव बरामद किया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, संदीप की पहली पत्नी प्रीति की वर्ष 2009 में बीमारी से मृत्यु हो गई थी। पहली पत्नी की मौत के करीब दो महीने बाद उसने अपनी साली मधु से विवाह कर लिया था। पहली पत्नी से उसका 18 वर्षीय एक बेटा और दूसरी पत्नी से 15 वर्षीय बेटी है। क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंशु जैन ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि हत्या के पीछे पारिवारिक विवाद, आपसी मनमुटाव अथवा किसी अन्य कारण की जांच की जा रही है।

अभी हाथ मिला लो, बाद में मत रोना', ओवैसी ने अखिलेश को दिया गठबंधन का खुला प्रस्ताव, बीजेपी ने कसा तंज

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज होती नजर आ रही है. ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव को खुला गठबंधन प्रस्ताव देकर नई राजनीतिक चर्चा छेड़ दी है.

बता दें, मुरादाबाद में आयोजित एक जनसभा के दौरान ओवैसी ने कहा कि अगर भाजपा को सत्ता में लौटने से रोकना है तो विपक्ष को साथ आना होगा और उनकी पार्टी गठबंधन के लिए तैयार है. सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी नहीं चाहती कि उत्तर प्रदेश में भाजपा दोबारा सरकार बनाए. उन्होंने कहा कि अगर समाजवादी पार्टी को लगता है कि एआईएमआईएम के चुनाव लड़ने से विपक्षी वोट बंटते हैं, तो वे मिलकर चुनाव लड़ने को तैयार हैं. उन्होंने अखिलेश यादव से अपील करते हुए कहा कि अभी बातचीत कर लें, चुनाव परिणाम आने के बाद पछताना न पड़े. ओवैसी ने अपने संबोधन में राजनीतिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व का मुद्दा भी उठाया. उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की लड़ाई किसी धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि अधिकार और बराबरी की हिस्सेदारी के लिए है. उनका कहना था कि अब केवल समर्थन देने की राजनीति नहीं, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में समान भागीदारी जरूरी है. यह पहली बार नहीं है जब ओवैसी ने किसी बड़े क्षेत्रीय दल को गठबंधन का प्रस्ताव दिया हो. इससे पहले बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान भी उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता लालू प्रसाद यादव को साथ आने का प्रस्ताव दिया था. हालांकि उस समय गठबंधन नहीं हो सका और एआईएमआईएम ने अकेले चुनाव लड़ते हुए सीमांचल क्षेत्र में कई सीटों पर जीत दर्ज की थी. पिछले कुछ समय से ओवैसी पश्चिमी उत्तर प्रदेश और रोहिलखंड क्षेत्र में लगातार जनसभाएं कर रहे हैं. माना जा रहा है कि मुस्लिम बहुल इलाकों में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने के साथ-साथ वह अपनी पार्टी पर लगने वाले 'वोट काटने' के आरोपों का जवाब भी देना चाहते हैं. ओवैसी के इस प्रस्ताव पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसे तुष्टिकरण की राजनीति बताते हुए सपा और एआईएमआईएम पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि दोनों दल वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं और अब भाईजान कोलैबोरेशन की तैयारी कर रहे हैं. फिलहाल समाजवादी पार्टी की ओर से ओवैसी के प्रस्ताव पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है. ऐसे में राजनीतिक गलियारों में इस बात को लेकर चर्चा तेज है कि सपा इस प्रस्ताव पर विचार करेगी या आगामी विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की अपनी रणनीति पर कायम रहेगी.

'कोई कानून गंगा में चिकन खाने से नहीं रोकता.', मुस्लिम छात्रों की गिरफ्तारी पर जज ने उठाए सवाल

वाराणसी। प्रदेश के वाराणसी जिले में गंगा नदी में नाव पर इफ्तार पार्टी करने और मांसाहार कर हड्डियां फेंकने के आरोप में जेल में बंद युवक को लेकर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुइयां ने बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा है कि गंगा नदी पर किसी को भी चिकन खाने से रोकने वाला कोई कानून नहीं है। भोपाल में नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी (हख्ख्) में जस्टिस जीपी सिंह के चौथे मेमोरियल लेक्चर में बोलते हुए जस्टिस उज्जल भुइयां ने बताया कि युवाओं को ऐसी चीज के लिए तीन महीने जेल में बिताने पड़े जो कोई अपराध नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के विश्वविद्यालय ऐसे स्थान होने चाहिए जहां छात्र इन सभी मुद्दों पर आलोचनात्मक सोच और शोध कर सकें, न कि उनके ख़िलाफ़ दंडात्मक कार्रवाई की जाए उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि चिकन बिरयानी खाना कोई अपराध नहीं है। गंगा नदी पर चिकन खाने से रोकने वाला कोई कानून नहीं है सिर्फ इसी वजह से उन्हें गिरफ़्तार किया गया और उन्हें तीन महीने जेल में रहना पड़ा। मुस्लिम छात्रों की गिरफ्तारी की जस्टिस उज्जल भुइयां ने खूब आलोचना की। आप को बता दें कि वाराणसी में गंगा नदी में एक नाव पर इफ्तार पार्टी करने और मांसाहार कर हड्डियां फेंकने के आरोपियों14 में आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। आठ आरोपियों को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जमानत दे दी थी जबकि शेष आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी

सुहागरात पर दुल्हन के साथ सोया था दूल्हा, आधी रात आया 'मौत का मेहमान'... सुबह खुला ऐसा राज कि मच गया हड़कंप

(यंग भारत न्यूज)

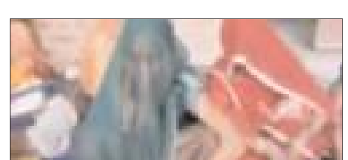

बदायूं। प्रदेश के बदायूं जिले से एक बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां शादी के बाद जिस रात नवदंपती अपने नए जीवन की शुरुआत करने वाले थे, वही रात दूल्हे के जीवन की आखिरी रात साबित हो गई।

नई नवेली दुल्हन के साथ सुहागरात मना रहे दूल्हे बबलू मौर्य की जहरीले सांप के डसने से मौत हो गई। इस घटना ने पूरे परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे गांव को गहरे सदमे में डाल दिया है।शादी के घर में जहां कुछ ही घंटे पहले तक ढोल-नगाड़ों की गूंज, हंसी-खुशी और जश्न का माहौल था, वहीं सुबह होते-होते मातम पसर गया। दुल्हन की मेहंदी भी ठीक से नहीं सूखी थी कि उसकी मांग का सिंदूर उजड़ गया। इस हृदयविदारक घटना की चर्चा पूरे इलाके में हो रही है। जानकारी के अनुसार, शादी की सभी रस्में संपन्न होने के बाद परिवार ने स्थानीय परंपरा के अनुसार नवविवाहित दंपती के लिए कमरे में जमीन पर बिस्तर लगाया था। बबलू मौर्य और उनकी पत्नी रश्मि उसी बिस्तर पर सो गए। परिवार के अन्य सदस्य भी अपने-अपने कमरों में विश्राम करने चले गए। रात के दौरान किसी समय एक जहरीला सांप कमरे में घुस आया और सो रहे बबलू मौर्य की गर्दन पर डस लिया। शुरुआत में किसी को इस घटना की भनक तक नहीं लगी। बबलू को भी संभवत: पहले यह समझ नहीं आया कि उन्हें किसी जहरीले जीव ने काट लिया है। सुबह जब बबलू की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी तो परिवार के लोग घबरा गए। उनकी हालत तेजी से खराब होने लगी। परिजन तत्काल उन्हें सहसवान स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि बबलू को जहरीले सांप ने डसा है। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। राजकीय मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों की टीम ने बबलू की जान बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए। उन्हें एंटी-स्नेक वेनम सहित आवश्यक उपचार दिया गया, लेकिन जहर शरीर में काफी फैल चुका था। काफी देर तक चले इलाज के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और आखिरकार डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। दुल्हन रश्मि बेसुध हो गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बबलू की मौत के बाद भी परिवार को उम्मीद थी कि शायद कोई चमत्कार हो जाए। इसी उम्मीद में परिजन शव को लेकर सपेरों और झाड़-फूंक करने वाले तांत्रिकों के पास भी पहुंचे। कई घंटों तक विभिन्न प्रकार के पारंपरिक उपाय और झाड़-फूंक की जाती रही, लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिला। अंतत: परिवार को यह स्वीकार करना पड़ा कि बबलू अब इस दुनिया में नहीं रहे। परिजनों ने मृतक का पोस्टमार्टम नहीं कराया। परिवार की सहमति से अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई। गांव और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए और परिवार को सांत्वना दी। परिवार के लोगों ने बताया कि घर में शादी को लेकर लंबे समय से तैयारियां चल रही थीं। रिश्तेदार दूर-दूर से शादी में शामिल होने आए थे। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि शादी की पहली ही रात इतनी बड़ी त्रासदी सामने आ जाएगी दुल्हन रश्मि के लिए यह घटना किसी असहनीय सदमे से कम नहीं है। जिस घर में वह नई उम्मीदों और सपनों के साथ आई थी, वहीं कुछ ही घंटों बाद उसके पति की अर्थी उठ गई। पूरे गांव में इस घटना के बाद शोक का माहौल है। घटना के बाद गांव के लोगों में भी डर का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में अक्सर सांप अपने बिलों से बाहर निकल आते हैं और घरों में घुस जाते हैं। ऐसे में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

कलयुगी बेटे ने उजाड़ा हंसता-खेतला घर, मां को लाठी-डंडों से पीटा, बचाने दौड़े पिता की लाठियों से पीट-पीटकर ले ली जान; वजह ऐसी कि...

(यंग भारत न्यूज)

बलरामपुर जिले के तुलसीपुर कस्बे में कथित तौर पर एक युवक ने अपने पिता की लाठी, डंडो से पीट-पीट कर हत्या कर दी और मां को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में हत्यारोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार तुलसीपुर कस्बा निवासी पिंटू (28) नशे का आदी है और शनिवार की रात नशे में किसी बात को लेकर उसका अपनी मां से विवाद होने लगा। पुलिस ने बताया कि पिंटू ने अपनी मां फूलवती (55) पर लाठी-डंडों से हमला कर उसे पीटना शुरू कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे पिता कल्लू (60) पर भी उसने लाठियों से हमला कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस कल्लू और फूलमती को अस्पताल ले गई जहां डॉक्टरों ने कल्लू को मृत घोषित कर दिया। तुलसीपुर के थाना प्रभारी सुधीर सिंह ने बताया कि आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है और शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, विधिक कार्यवाही की जाएगी। संभल : उत्तर प्रदेश के संभल जिले में गंगा एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह डबल डेकर बस के डिवाइडर से टकराकर पलट जाने से एक किशोरी समेत दो यात्रियों की मौत हुई है और 25 अन्य घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह हादसा बहजोई थाना क्षेत्र में गांव लहरावन के पास हुआ जब बहराइच से पंजाब जा रही डबल डेकर बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। उसने बताया कि हादसे में नेहा (17) और चिंटू (36) नाम के दो यात्रियों की मौत हो गई और 25 अन्य यात्री घायल हो गए...

अंतिम संस्कार के बाद चल रहा था शुद्धि कार्यक्रम, तभी घर पहुंच गया 'मृत' युवक, पुलिस भी रह गई हैरान

(यंग भारत न्यूज)

औरैया के अटसू क्षेत्र में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पुलिस से लेकर गांव वालों तक सभी को हैरान कर दिया. एक परिवार जिस युवक को मृत मानकर उसका अंतिम संस्कार कर चुका था, वही युवक कुछ दिनों बाद अचानक जिंदा अपने घर

पहुंच गया.उसे सामने देखकर परिवार और वहां मौजूद लोगों के होश उड़ गए. अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस शव का अंतिम संस्कार किया गया, वह आखिर किसका था? मामला क्षेत्र के भीखेपुर गांव के पास का है. 18 जुलाई, शनिवार को हाईवे किनारे एक पुराने और जर्जर होटल को गिराए जाने के बाद वहां पड़े मलबे के पास कुछ लोग बकरियां चरा रहे थे. इसी दौरान उन्हें तेज बदबू महसूस हुई. जब लोगों ने आसपास देखा तो मलबे के पास एक युवक का शव पड़ा मिला. इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई. जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराने की कोशिश शुरू की. शव काफी पुराना लग रहा था. उससे बदबू आ रही थी और शरीर पर कीड़े भी रेंग रहे थे. युवक ने मेहरून रंग की शर्ट और नीले रंग का लोअर पहन रखा था. उसके गले में तौलिया और कलाई पर ब्रेसलेट भी था. शव का मुंह आधा कुचला हुआ था. इस वजह से पुलिस ने हत्या की आशंका जताई थी. शव की पहचान नहीं हो पाने पर उसे पोस्टमार्टम हाउस में 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखवाया गया था. इसी बीच अटसू क्षेत्र के सैदपुर गांव निवासी दशरथ सिंह पुलिस के पास पहुंचे. उन्होंने बताया कि उनके भाई कमल सिंह से 25 जून के बाद से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था. उसका मोबाइल भी बंद था. इसी आधार पर उन्होंने पोस्टमार्टम हाउस में रखे शव की पहचान अपने भाई कमल सिंह के रूप में कर दी. पुलिस ने जरूरी कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव दशरथ को सौंप दिया. इसके बाद परिवार ने शव को कमल का मानकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया. परिवार और गांव वालों को पूरी तरह विश्वास था कि कमल की मौत हो चुकी है. अंतिम संस्कार के कुछ दिन बाद शनिवार शाम परिवार में शुद्धि संस्कार का कार्यक्रम चल रहा था. इसी दौरान कमल अचानक अपने घर पहुंच गया. सामने कमल को जिंदा देखकर वहां मौजूद लोगों के होश उड़ गए.

तीसरे दिन भारतीय मुक्केबाज सचिन और महिला लॉन बॉल्स जोड़ी का शानदार प्रदर्शन

कॉमनवेल्थ गेम्स : बाउल्स में भारत की लगातार तीसरी जीत, रूपा-पिंकी का शानदार प्रदर्शन जारी

ग्लासगो

भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों के तीसरे दिन शनिवार को मुक्केबाज सचिन सिवाच ने कड़े मुकाबले में जीत दर्ज कर पुरुष 60 किग्रा के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि लॉन बॉल्स महिला पेयर्स में रूपा रानी टिर्की और पिंकी सिंह ने लगातार तीसरी जीत हासिल कर सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। शुक्रवार को झंडू कुमार ने पुरुषों की हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का पदकों का खाता खोला था। भारत के प्रबल पदक दावेदारों में शामिल मुक्केबाज सचिन ने कनाडा के अपने परिचित प्रतिद्वंद्वी केओमा अल-अहमदीह पर 4-1 के विभाजित फैसले में जीत दर्ज की। भिवानी के 26 वर्षीय मुक्केबाज का सामना अब अंतिम-16 में इंग्लैंड के विलियम हेविट से होगा। जीत के बाद सचिन ने कहा यह मुकाबला काफी कठिन था, लेकिन मैं उसे पहले दो बार हरा चुका था, इसलिए मुझे खुद पूरा भरोसा था। 'आज उसे हराना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि यह राष्ट्रमंडल खेलों का मुकाबला था। रूपा और पिंकी की भारतीय जोड़ी ने अपना दबदबा बरकरार रखते हुए महिला पेयर्स के सेक्शन बी में तीसरे राउंड में टोंगा की पेरिस बेकर और मिलिका नाथन को टाई-ब्रेकर में 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखा।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारत को पहला पदक बिहार के झंडू ने दिलाकर बढ़ाया मान

ग्लासगो। राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पहले पदक विजेता के रूप में झंडू कुमार का नाम जब गूंजा तो वह सिर्फ एक कांस्य पदक की घोषणा नहीं थी, बल्कि संघर्ष, उपहास और अदम्य इच्छाशक्ति की जीत का ऐलान भी था। बिहार के 28 वर्षीय पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने शुक्रवार को पुरुषों के हेवीवेट वर्ग में 130.9 अंक के साथ कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। उन्होंने 181 किलोग्राम और 190 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया, जबकि 195 किलोग्राम का उनका अंतिम प्रयास सफल नहीं हो सका।

TWO YEARS LATER IN LONDON CAME HIS MOST ICONIC NIGHT IN THE POOL, WINNING OLYMPIC GOLD

चाड ले ने जीता 19वां पदक

दक्षिण अफ्रीका के तैराक चाड ले क्लोस पुरुषों की बटरफ्लाई 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में सबसे अधिक पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। ले क्लोस ने राष्ट्रमंडल खेलों में 19वां पदक जीतकर ऑस्ट्रेलिया के निशानेबाज फिल एडम्स और इंग्लैंड के निक गेल्ट को पीछे छोड़कर नया रिकॉर्ड बनाया।

भारतीय तैराकों ने किया निराश

भारतीय तैराकों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जिसमें धनुष शशिकुमार और आर्यन नेहरा दोनों ही पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। शशिकुमार ने टोलक्रॉस स्विमिंग सेंटर में आयोजित 400 मीटर फ्रीस्टाइल की हीट में 27 तैराकों के बीच 3:58.09 मिनट का समय लेकर 19वां जबकि आर्यन नेहरा ने 4:00.26 मिनट के साथ 24वां स्थान हासिल किया।

खबर संक्षेप

कट हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय बनीं दीक्षा

डंडोनल्ड लिंक्स। दीक्षा डागर दूसरे दौर में वन ओवर 73 का कार्ड खेलकर महिला स्कॉटिश ओपन में कट हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय रहीं। अब वह 74-73 के कार्ड के साथ तीन ओवर पर हैं और संयुक्त रूप से 35वें स्थान पर हैं। प्रणवी उर्स (84-71) 11-ओवर पर रहीं और कट से चूक गईं। अवनि प्रशांत (80-77) भी कट हासिल नहीं कर सकीं। दीक्षा ने दूसरे, सातवें और 14वें होल पर बर्डी लगाई लेकिन तीसरे, छठे, 13वें और 15वें होल पर शॉट ड्रॉप भी किए। फिलहाल एलईटी 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' में शीर्ष-10 में शामिल दीक्षा को अगले हफ्ते होने वाले एआईजी वुमेंस ओपन में जगह बनाने के लिए अच्छे नतीजे की जरूरत है।

सिंगापुर चैलेंजर स्क्वाश में भारतीय चुनौती समाप्त

सिंगापुर। ओम सेमवाल, संदेश रविकुमार और रतिका सीलान क्वार्टर फाइनल में हार के साथ पीएसए सिंगापुर चैलेंजर स्क्वाश टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पुरुष एकल में चौथी वरीयता प्राप्त सेमवाल आठवें वरीय जेम्स पीच से हार गए। ब्रिटिश खिलाड़ी ने 7-11, 11-6, 7-11, 11-9, 11-7 से जीत हासिल की। पुरुष एकल के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में रविकुमार को दक्षिण कोरिया के तीसरी वरीयता प्राप्त जियोंगमिन रियू से 9-11, 11-5, 7-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त रतिका छठी वरीयता प्राप्त यू जी चेन से हार गई। मलेशियाई खिलाड़ी ने 11-7, 12-10, 9-11, 11-0 से जीत दर्ज की।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेंगे शकील

लाहौर। अनुभवी खिलाड़ी सऊद शकील को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट और उसके बाद इंग्लैंड में होने वाली तीन टेस्ट मैचों श्रृंखला के लिए चोटिल अब्दुल्ला फजल की जगह पाकिस्तान की टीम में शामिल किया जा सकता है। मई में बांग्लादेश में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले फजल शनिवार से तारोबा में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे।

---

15 अगस्त से गॉल में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की सीरीज

अगले सप्ताह टीम इंडिया का ऐलान बुमराह की फिटनेस पर टीकी नजरें

बेंगलुरु

श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी और चयन समिति की बैठक में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर गहन चर्चा होने की संभावना है। भारत 15 अगस्त को गॉल में होने वाले पहले टेस्ट मैच से दौरे की शुरुआत करेगा। दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। बुमराह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और निर्णायक मैच से बाहर रहे थे, क्योंकि उनके बाएं घुटने में चोट लग गई थी और उसमें सूजन आ गई थी।

बुमराह के फिटनेस पर नजर

इस घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'हम उनके ठीक होने की प्रक्रिया पर नजर रख रहे हैं। टेस्ट श्रृंखला शुरू होने में अभी तीन सप्ताह का समय है , इसलिए उनके पास ठीक होने और श्रीलंका में टीम से जुड़ने के लिए पर्याप्त समय है।' भारतीय टीम 4 अगस्त तक श्रीलंका पहुंच जाएगी और वहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब में चार दिवसीय मैच खेलेगी। लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या बुमराह अगस्त के पहले सप्ताह में टीम के साथ यात्रा कर पाएंगे या नहीं।

वापसी करने के लिए तैयार जडेजा

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक वनडे मैच खेलने के बाद शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। श्रीलंका में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए जडेजा को टीम में शामिल नहीं किया गया था, जिसमें भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। जहां तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे, वहीं अनुभवी कुलदीप यादव और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार के साथ स्पिन विभाग की अगुवाई करेंगे।

मानव ने डेब्यू में छोड़ा प्रभाव

मानव ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करते हुए अपना प्रभाव छोड़ा था। तीसरे स्पिनर वाशिंगटन सुंदर हो सकते हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरी पारी में चार विकेट लिए थे, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे स्पिन विभाग में विकल्प के तौर पर टीम में बने रहेंगे।

इशान, तिलक के दम पर भारत ने जिम्बाब्वे से श्रृंखला जीती

- किशन ने 44 गेंदों में 81 रन बनाए, बने मैन ऑफ द मैच

हरारे

इशान किशन (81) और तिलक वर्मा (नाबाद 60) की आक्रामक अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने शनिवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 90 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

जीत के लिए 220 रन का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम की शुरुआत आक्रामक रही, लेकिन नौ ओवर के भीतर पांच विकेट गंवाने के बाद उसकी हार लगभग तय हो गई। पूरी टीम 17.5 ओवर में 129 रन पर सिमट गई। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 219 रन बनाए थे। इस जीत के साथ भारतीय टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने आयरलैंड (0-2) और इंग्लैंड (0-4) में लगातार दो श्रृंखलाओं में मिली हार के बाद पहली बार बतौर कप्तान श्रृंखला जीत दर्ज की। जिम्बाब्वे की ओर से ब्रायन बेनेट ने 19 गेंदों में 32 रन बनाकर तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज यश ठाकुर पर छक्का और चौका जड़ा, लेकिन अगली ही कोशिश में विकेटकीपर किशन ने उनका कैच लपक लिया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान बल्लेबाजों को संभलने का कोई मौका नहीं दिया। रेयान बर्ल (20) और तादिवानाशे मारुमनी (24) कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन भारतीय आक्रमण के सामने कोई बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी। अभिषेक शर्मा ने 17 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि पदार्पण कर रहे यश ठाकुर (30 रन पर दो विकेट) और प्रिंस यादव (10 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट झटके। तिलक और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली। भारत की इस शानदार जीत के बीच प्रिंस यादव की चोट चिंता का विषय रही।

विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप

अनाहत सिंह बनीं विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियन

ऑकलैंड

भारत की स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शनिवार को मिस्र की रुकैया सलेम को हराकर विश्व जूनियर स्क्वाश व्यक्तिगत चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज और टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत ने महिला फाइनल में रुकैया को सीधे गेमों में 11-3, 11-7, 11-9 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। दिल्ली की रहने वाली अनाहत ने पिछले साल भी इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया था और सेमीफाइनल तक पहुंचकर कांस्य पदक जीता था। इस बार उन्होंने एक कदम आगे बढ़ते हुए विश्व जूनियर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में मिस्र की तीसरी-चौथी वरीयता प्राप्त जाना समेह को 11-3, 8-11, 11-4, 11-6 से हराया। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत भारत की पहली जूनियर विश्व स्क्वाश चैंपियन बनी है।

जीत पर बोली 'मैं बहुत खुश हूं

अनाहत ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। अनाहत ने कहा, 'मैंने चार विश्व जूनियर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है लेकिन क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में हार गई थी, इसलिए फाइनल में पहुंचने से मेरे माता-पिता और कोच बहुत खुश हैं, लेकिन टूर्नामेंट अभी खत्म नहीं हुआ है।'

काउंटी क्रिकेट डेब्यू में चमके कुलदीप, चटकाए दो विकेट

लंदन

कुलदीप यादव ने इंग्लैंड में घरेलू लिस्ट ए टूर्नामेंट वन-डे कप में यॉर्कशायर के लिए ग्लेमोर्गन के खिलाफ शानदार डेब्यू किया। उन्होंने 39 रन देकर 2 विकेट लिए। बाएं हाथ के इस चाइनामैन गेंदबाज को पहले नौ ओवर में कोई विकेट नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने आखिरी ओवर में तीन गेंदों में दो विकेट झटक लिए।

कुलदीप ने 44वां ओवर फेंकते हुए पहली गेंद पर एलेक्स हॉर्टन को आउट किया। दो गेंद बाद जेमी मैक्लरॉय को आउट किया। यॉर्कशायर ने दाएं हाथ के मीडियम पेसर बेंजामिन क्लिफ के 29 रन देकर चार विकेट की मदद से ग्लेमोर्गन को सिर्फ 186 रन पर रोक दिया। कुलदीप ने बल्ले से भी 12 रन बनाए और उनकी टीम ने दो विकेट से मैच जीत लिया। इंडियन प्रीमियर लीग में बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले आशुतोष शर्मा ने काउंटी में गेंद से धाक जमाई है।

55वीं केवीएस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता

निशानेबाजी में शुभी ने जीता स्वर्ण

फगवाड़ा

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू), फगवाड़ा में आयोजित 55वीं केवीएस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता-2026 में जबलपुर की प्रतिभाशाली निशानेबाज शुभी शर्मा ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल (महिला वर्ग) में स्वर्ण पदक जीतकर जबलपुर शहर एवं अपने विद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

देशभर के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों से चयनित शीर्ष 75 महिला खिलाड़ियों के बीच हुए कड़े मुकाबले में शुभी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता के स्वर्ण पदक विजेताओं को अब स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जो उनके खेल करियर की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। शुभी शर्मा पिछले चार वर्षों से जबलपुर स्थित 'गन फॉर ग्लोरी' शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उन्हें वरिष्ठ कोच निशांत नाथवानी एवं सहायक कोच शक्ति चक्रवर्ती के कुशल मार्गदर्शन में निरंतर प्रशिक्षण मिल रहा है।

15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में हॉकी विश्व कप

फुल्टन का दावा, विश्व कप में 51 साल का सूखा तोड़ने को तैयार भारत

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन विश्व कप में 51 साल से चले आ रहे पदक के सूखे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम इस टूर्नामेंट में इतिहास रचने के लिए तैयार है।

पेरिस ओलंपिक में भारत को लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाने वाले फुल्टन अच्छी तरह जानते हैं कि अगर भारत को 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप में पदक का सूखा खत्म करना है तो टीम को अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी।

भारत ने विश्व कप में जीते मात्र तीन पदक

8 बार का ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत विश्व कप में अभी तक केवल तीन पदक जीत पाया है। उसने अपना आखिरी पदक स्वर्ण पदक के रूप में 1975 में अजीत पाल सिंह की कप्तानी में कुआलालंपुर में जीता था। फुल्टन ने कहा, 'भारत ने आखिरी बार 1975 में यह खिताब जीता था। हमारे लिए अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखना और उसे एशियाई खेलों तक बरकरार रखना महत्वपूर्ण है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना भी हमारी प्राथमिकता है।

प्रत्येक विभाग का अच्छा प्रदर्शन करना अहम

फुल्टन ने कहा, 'हम बेहद खुश हैं कि हमें यह अवसर मिला है। इस तरह के टूर्नामेंट में महत्वपूर्ण मौकों पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, सही समय पर अपने चरम पर पहुंचना और प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना अहम होता है। हमने पेरिस के बाद साबित कर दिया है कि हम कुछ युवा खिलाड़ियों को शामिल करने के बावजूद अनुभवी टीम उतार सकते हैं। हमारे पास अच्छा मिश्रण है और हम किसी भी टीम को हराने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, 'मैं भारतीय हॉकी की विरासत से अच्छी तरह से वाकिफ हूं, और यह भी जानता हूं कि भारत का विश्व कप में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। हम इसे बदलना चाहेंगे। हम भारतीय हॉकी में अपना इतिहास लिखना चाहेंगे।

वेल्स, इंग्लैंड और पाकिस्तान के साथ पूल डी में भारत

भारत को विश्व कप में वेल्स, इंग्लैंड और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ पूल डी में रखा गया है और फुल्टन ने कहा कि टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करना महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, 'हमारा ग्रुप काफी कड़ा है और हमें वेल्स के खिलाफ पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। हमें तब बचाने पर ध्यान देना होगा। हमें टूर्नामेंट के आखिर तक पहुंचने की कोशिश करनी होगी, जहां हमें अपना सर्वश्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन करना होगा।' भारत अभी विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज है और फुल्टन ने विश्व कप और उसके तीन सप्ताह के भीतर होने वाले एशियाई खेलों को अपना लक्ष्य रखा है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत में व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। छोटे शहरों और कस्बों के निवेशक भी अब म्यूचुअल फंड को बचत और निवेश का महत्वपूर्ण माध्यम मानने लगे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, आसान निवेश प्रक्रिया, वित्तीय जागरूकता और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न की संभावनाओं ने म्यूचुअल फंड उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मिड और स्मॉल कैप फंडों में बढ़ती भागीदारी इसी बदलाव का परिणाम मानी जा रही है।

मिड और स्मॉल कैप फंडों पर निवेशकों का भरोसा कायम

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

- *बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद बन रहे पहली पसंद*
- *दो वर्षों में करोड़ों नए निवेशक जुड़े, दीर्घकालिक रिटर्न से बढ़ा विश्वास*
- *विशेषज्ञों ने ऊंचे वैल्यूएशन के बीच सतर्क निवेश की दी सलाह*

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के दौरान कई बार तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनाव, ब्याज दरों में बदलाव और घरेलू बाजार में समय-समय पर आई गिरावट के बावजूद भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड कैप और स्मॉल कैप म्यूचुअल फंडों पर लगातार मजबूत बना हुआ है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों का किया गया एक अहम विश्लेषण है। रिपोर्ट बताती है कि बाजार की अस्थिरता निवेशकों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। इसके विपरीत, बड़ी संख्या में नए निवेशकों ने इन श्रेणियों में निवेश शुरू किया और पहले से निवेश कर रहे लोगों ने भी अपना निवेश जारी रखा। पोर्ट के अनुसार, जून 2024 से जून 2026 के बीच मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। जून 2024 में जहां मिड कैप फंडों के फोलियो की संख्या लगभग 1.53 करोड़ थी, वहीं जून 2026 तक यह बढ़कर 2.55 करोड़ हो गई। इसी अवधि में स्मॉल कैप फंडों के फोलियो 2.03 करोड़ से बढ़कर 2.87 करोड़ तक पहुंच गए। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि निवेशकों का रुझान केवल बड़े बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे बेहतर संभावनाओं वाली मध्यम और छोटी कंपनियों में भी निवेश के अवसर तलाश रहे हैं।

सभी ओपन-एंडेड इक्विटी फंड फोलियो का 32 प्रतिशत हिस्सा

आज मिड कैप और स्मॉल कैप फंड मिलकर देश के सभी ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड फोलियो का 32 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बन चुके हैं। यह हिस्सा लगातार बढ़ रहा है, जो बताता है कि भारतीय निवेशकों की सोच अब लंबी अवधि के निवेश और संपत्ति निर्माण की ओर तेजी से बदल रही है। इस बढ़ते भरोसे के पीछे सबसे बड़ा कारण इन श्रेणियों का मजबूत दीर्घकालिक प्रदर्शन है। 30 जून 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, मिड कैप फंडों ने पिछले तीन वर्षों में 18.76 प्रतिशत का चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) और पांच वर्षों में 16.33 प्रतिशत का सीएजीआर दिया है। वहीं स्मॉल कैप फंडों ने तीन वर्षों में 17.68 प्रतिशत तथा पांच वर्षों में 17.06 प्रतिशत का सीएजीआर रिटर्न निवेशकों को उपलब्ध कराया।

उतार-चढ़ाव की संभावना ज्यादा

यह समझना जरूरी है कि अधिक रिटर्न के साथ जोखिम भी अधिक होता है। मिड और स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। यही कारण है कि बाजार में गिरावट आने पर इन श्रेणियों में नुकसान भी अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। इसके बावजूद निवेशकों का विश्वास इसलिए बना हुआ है क्योंकि वे अब अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक निवेश रणनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं। निवेशकों का यह भरोसा केवल फोलियो की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों में भी साफ दिखाई देता है। जून 2025 में मिड कैप फंडों का एयूएम 4.32 लाख करोड़ रुपये था, जो जून 2026 तक बढ़कर 5.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह स्मॉल कैप फंडों का एयूएम 3.55 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 4.30 लाख करोड़ तक पहुंच गया।

निवेशक सतर्क रहें

आईसीआरए एनालाइटिक्स ने निवेशकों को सतर्क रहने की भी सलाह दी है। संस्था का कहना है कि वर्तमान समय में मिड और स्मॉल कैप शेयरों के वैल्यूएशन अपेक्षाकृत ऊंचे स्तर पर हैं। यदि आने वाले समय में कंपनियों की आय (कॉरपोरेट अर्निंग्स) बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बढ़ती है, तो इन श्रेणियों में करेक्शन देखने को मिल सकता है। ऐसे में निवेशकों को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि पिछले वर्षों जैसा रिटर्न भविष्य में भी निश्चित रूप से मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में इन फंडों का प्रदर्शन केवल वैल्यूएशन बढ़ने पर नहीं, बल्कि कंपनियों के वास्तविक कारोबार और मुनाफे में वृद्धि पर निर्भर करेगा।

क्या कहते हैं आंकड़े

वित्तीय सलाहकारों का सुझाव है कि मिड और स्मॉल कैप फंडों में निवेश हमेशा लंबी अवधि के लक्ष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए। एकमुश्त बड़ी राशि लगाने के बजाय नियमित एसआईपी के माध्यम से निवेश करना अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। साथ ही निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए, ताकि जोखिम और रिटर्न दोनों का बेहतर प्रबंधन किया जा सके।

कुल मिलाकर, एएमएफआई और आईसीआरए एनालाइटिक्स के ताजा आंकड़े यह संकेत देते हैं कि भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड और स्मॉल कैप फंडों पर पहले से अधिक मजबूत हुआ है। बेहतर दीर्घकालिक प्रदर्शन और नियमित निवेश ने इन श्रेणियों को लोकप्रिय बनाया है। हालांकि, ऊंचे वैल्यूएशन और संभावित बाजार उतार-चढ़ाव को देखते हुए निवेशकों को संयम, विविधीकरण और लंबी अवधि की रणनीति अपनाकर ही निवेश करना चाहिए। यही तरीका भविष्य में बेहतर और टिकाऊ संपत्ति निर्माण का आधार बन सकता है।

मृत्यु के बाद क्लेम होगा आसान

नॉमिनेशन व वसीयत अब भी जरूरी

सेबी ने एएमएफआई के मानकों में बदलाव कर दी बड़ी राहत | अब परिवारों को आर्थिक और मानसिक परेशानियां नहीं झेलनी होंगी | रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से नहीं होगी दिक्कत

जानकारी

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण और निवेशक हितैषी कदम उठाया है। निवेशक की मृत्यु के बाद उसके परिवार या कानूनी उत्तराधिकारियों को म्यूचुअल फंड यूनिट्स का ट्रांसमिशन (हस्तांतरण) कराने में अक्सर कई तरह की तकनीकी और दस्तावेजी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। पते में अंतर, नाम की स्पेलिंग अलग होना, हस्ताक्षर मेल न खाना या पुराने रिकॉर्ड जैसी छोटी-छोटी वजहों से क्लेम महीनों तक लंबित रहता था। कई मामलों में परिवारों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियां झेलनी पड़ती थीं। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सेबी ने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मानकों में बदलाव कर ट्रांसमिशन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। नए दिशा-निर्देशों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी निवेशक के निधन के बाद उसके परिवार को तकनीकी कारणों से अनावश्यक परेशान न होना पड़े।

पते में अंतर अब नहीं बनेगा बड़ी बाधा

पहले यदि म्यूचुअल फंड फोलियो में दर्ज पता और क्लेम के समय दिए गए दस्तावेजों का पता अलग होता था, तो एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) क्लेम रोक देती थी। अब वैध और अद्यतन दस्तावेजों के आधार पर नया पता स्वीकार किया जा सकेगा। इससे पुराने रिकॉर्ड के कारण होने वाली देरी काफी हद तक समाप्त होगी।

छोटी गलतियां भी होंगी स्वीकार

अक्सर पैन कार्ड, आधार, बैंक खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से ट्रांसमिशन अटक जाता था। अब आधार, पासपोर्ट जैसे सेल्फ-सर्टिफाइड दस्तावेजों के आधार पर ऐसे मामलों का समाधान किया जा सकेगा। हस्ताक्षर मेल न खाने की स्थिति में भी रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) निर्धारित प्रक्रिया के तहत समाधान करेंगे।

सभी एएमसी में एक जैसी प्रक्रिया

सेबी ने एएमएफआई को निर्देश दिया है कि सभी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों और संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाए, ताकि पूरे देश में ट्रांसमिशन प्रक्रिया एक समान तरीके से लागू हो। इससे निवेशकों को अलग-अलग फंड हाउस में अलग नियमों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कौन क्लेम कर सकता है?

- क्लेम की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि निवेश किस प्रकार किया गया था।
- यदि निवेश संयुक्त नाम से है और एक निवेशक का निधन हो जाता है, तो जीवित धारक यूनिट्स अपने नाम कराने के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि निवेश एकल नाम से है और नॉमिनी दर्ज है, तो नॉमिनी ट्रांसमिशन के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि नॉमिनी नहीं है, तो कानूनी उत्तराधिकारी को उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर दावा करना होगा। ऐसे मामलों में प्रक्रिया अपेक्षाकृत लंबी हो सकती है।

किन दस्तावेजों की होगी जरूरत?

■ ट्रांसमिशन रिक्वेस्ट फॉर्म ■ निवेशक का मृत्यु प्रमाणपत्र ■ पैन कार्ड ■ केवाईसी दस्तावेज ■ बैंक खाते का प्रमाण ■ यदि नॉमिनी नहीं है तो उत्तराधिकार सर्टिफिकेट, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य कानूनी दस्तावेज भी प्रस्तुत करने पड़ सकते हैं।

किन कारणों से अटकेगा क्लेम?

- नॉमिनी का नाम दर्ज न होना।
- केवाईसी अधूरा या पुराना होना।
- बैंक, पैन और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में अलग-अलग जानकारी होना।
- कानूनी उत्तराधिकारियों के बीच विवाद।
- अलग-अलग एएमसी में कई फोलियो होने से दस्तावेजी प्रक्रिया जटिल होना।

आज ही करें ये चार काम

- पहला, हर म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनी अवश्य दर्ज करें और समय-समय पर उसकी समीक्षा करें।
- दूसरा, पैन, आधार, बैंक खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम, जन्मतिथि, पता और अन्य विवरण समान रखें।
- तीसरा, यदि आपका निवेश बड़ा है तो केवल नॉमिनेशन पर निर्भर न रहें। एक विधिवत वसीयत तैयार करें। यह संपत्ति के अंतिम उत्तराधिकार को लेकर भविष्य के विवादों से बचाती है।
- चौथा, अपने परिवार को यह जानकारी अवश्य दें कि आपने किन-किन म्यूचुअल फंडों में निवेश किया है। कई बार परिवार को निवेश की जानकारी ही नहीं होती, जिससे वर्षों तक रकम बिना क्लेम के पड़ी रहती है।

नॉमिनी व उत्तराधिकारी में अंतर समझें

कई निवेशक यह मान लेते हैं कि नॉमिनी निवेश का अंतिम मालिक होता है, जबकि ऐसा हमेशा नहीं होता। नॉमिनी निवेश की राशि प्राप्त करने का अधिकृत व्यक्ति होता है। अंतिम स्वामित्व उत्तराधिकार कानून या वैध वसीयत के अनुसार तय होता है। बड़े निवेश वाले परिवारों के लिए एस्टेट प्लानिंग-वसीयत तैयार करना महत्वपूर्ण है।

निवेशक हित में बड़ा सुधार

सेबी का यह कदम ऐसे समय आया है, जब देश में म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही। करोड़ों निवेशक एसआईपी व अन्य योजनाओं के माध्यम से लंबी अवधि के लिए निवेश कर रहे हैं। ऐसे में निवेशक की मृत्यु के बाद परिवार को सरल- समयबद्ध तरीके से राशि मिलना वित्तीय व्यवस्था में विश्वास बढ़ाने के लिए आवश्यक है। सेबी के नए दिशा-निर्देश न केवल ट्रांसमिशन प्रक्रिया को तेज-पारदर्शी बनाएंगे, बल्कि निवेशकों में भरोसा मजबूत करेंगे कि उनकी मेहनत की कमाई जरूरत पड़ने पर बिना कानूनी बाधाओं के परिवार तक पहुंच सकेगी।

जानें जोखिम पोर्टफोलियो और टैक्स से जुड़े जरूरी नियम

सिर्फ रिटर्न नहीं, इन पैमानों पर चुनें सही म्यूचुअल फंड

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड आज करोड़ों भारतीयों की निवेश यात्रा का अहम हिस्सा बन चुके हैं। सिस्टैमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश कर लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। लेकिन बाजार में हजारों म्यूचुअल फंड योजनाएं उपलब्ध होने के कारण सबसे बड़ी चुनौती सही फंड का चुनाव करना है। अक्सर निवेशक पिछले एक साल का रिटर्न या फंड स्टार रेटिंग देखकर फैसला ले लेते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यही सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। दरअसल, किसी भी म्यूचुअल फंड का मूल्यांकन केवल रिटर्न के आधार पर नहीं किया जा सकता। फंड का जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर और निवेश का उद्देश्य जैसे कई पहलू भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। यदि दो फंडों में से किसी एक को चुनना है, तो कुछ बुनियादी मानकों को समझना बेहद जरूरी है।

सबसे पहले एक जैसी श्रेणी के फंड की तुलना करें

किसी भी तुलना की शुरुआत सही आधार से होनी चाहिए। यदि एक फंड लार्ज कैप है और दूसरा मिड कैप, तो दोनों की तुलना करना उचित नहीं होगा। दोनों का निवेश उद्देश्य, जोखिम और संभावित रिटर्न अलग-अलग होते हैं। यदि आपका लक्ष्य स्थिरता और अपेक्षाकृत कम जोखिम है, तो लार्ज कैप फंडों की तुलना करें। यदि अधिक जोखिम लेकर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो मिड कैप- स्मॉल कैप श्रेणी के भीतर विकल्प चुनें।

डायरेक्ट-रेगुलर प्लान में अंतर

हर म्यूचुअल फंड में निवेश के दो विकल्प होते हैं—डायरेक्ट और रेगुलर। डायरेक्ट प्लान में निवेशक सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के माध्यम से निवेश करता है। इसमें किसी एजेंट का कमीशन नहीं होता, इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम रहता है और लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। रेगुलर प्लान उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें वित्तीय सलाहकार की सहायता की जरूरत होती है।

केवल रिटर्न नहीं, एक्सपेंस रेशियो भी देखें

दो फंड यदि लगभग समान रिटर्न दे रहे हैं, तो कम एक्सपेंस रेशियो वाला फंड बेहतर माना जाता है। एक्सपेंस रेशियो वह वार्षिक शुल्क है जो एएमसी आपके निवेश के प्रबंधन के बदले लेती है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15-20 वर्षों की लंबी अवधि में यही अंतर लाखों रुपये के अतिरिक्त रिटर्न में बदल सकता है।

दोनों फंड किन कंपनियों में निवेश कर रहे हैं

कई निवेशक अलग-अलग फंड खरीद लेते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि दोनों की शीर्ष 10 होल्डिंग्स लगभग एक जैसी हैं। निवेश से पहले दोनों फंडों की प्रमुख होल्डिंग्स और सेक्टर एलोकेशन अवश्य देखें। जोखिम के मुकाबले रिटर्न का मूल्यांकन करें। हर अधिक रिटर्न देने वाला फंड बेहतर नहीं होता।

रिश्ते में प्यार के साथ पैसों की समझ भी जरूरी

पति-पत्नी की कमाई में बड़ा-अंतर हो तो कैसे बनाएं फाइनेंशियल प्लान

बिजनेस डेस्क। शादी केवल दो लोगों का भावनात्मक रिश्ता नहीं, बल्कि दो आर्थिक जिम्मेदारियों का भी मिलन है। आज के दौर में बड़ी संख्या में पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं, लेकिन अक्सर उनकी आय समान नहीं होती। किसी की सैलरी अधिक होती है तो कोई अपेक्षाकृत कम कमाता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह होता है कि घर का खर्च कैसे बांटा जाए, ताकि न किसी एक पर आर्थिक बोझ बढ़े और न रिश्ते में असंतुलन पैदा हो। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सफल वैवाहिक जीवन की नींव केवल भरोसे और प्यार पर नहीं, बल्कि पारदर्शी वित्तीय योजना पर भी टिकी होती है। पैसों को लेकर स्पष्ट समझ और नियमित संवाद भविष्य के विवादों से बचाता है। दोनों को आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस कराता है।

हर परिवार के लिए एक जैसा फॉर्मूला नहीं

फाइनेंशियल प्लानिंग का कोई सार्वभौमिक नियम नहीं होता। हर परिवार की आय, जिम्मेदारियां, जीवनशैली और भविष्य के लक्ष्य अलग-अलग होते हैं। किसी दूसरे का मॉडल अपनाने के बजाय अपनी परिस्थितियों के अनुसार वित्तीय व्यवस्था बनाना समझदारी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई भी निर्णय दोनों की सहमति और सुविधा से लिया जाए। आर्थिक मामलों में पारदर्शिता रिश्ते को मजबूत बनाती है।

क्या आधा-आधा खर्च बांटना सही है?

कई दंपती यह मान लेते हैं कि सभी खर्च 50-50 प्रतिशत बांट देना बराबरी का सबसे अच्छा तरीका है। लेकिन यह हर स्थिति में उचित नहीं होता। मान लीजिए पति की मासिक आय 1.50 लाख और पत्नी 50,000 रुपये कमाती हैं। यदि दोनों 40-40 हजार घर के खर्च में दें, तो पत्नी की आय का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाएगा, जबकि पति के पास बचत और निवेश के लिए पर्याप्त राशि बची रहेगी। ऐसी व्यवस्था आर्थिक रूप से संतुलित नहीं मानी जाती क्योंकि इसमें कम आय वाले साथी पर अपेक्षाकृत अधिक दबाव पड़ता है।

आय के अनुपात में खर्च बांटना बेहतर विकल्प

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार यदि पति-पत्नी की आय में बड़ा अंतर है तो खर्च भी आय के अनुपात में बांटना अधिक व्यावहारिक होता है। उदाहरण के लिए यदि एक साथी कुल आय का 70 प्रतिशत कमाता है और दूसरा 30 प्रतिशत, तो साझा खर्चों में योगदान भी लगभग उसी अनुपात में रखा जा सकता है। इस व्यवस्था से दोनों के पास बचत, निवेश और व्यक्तिगत जरूरतों के लिए पर्याप्त धन बचता है।

जॉइंट अकाउंट हो सकता है अच्छा समाधान

- आज कई कामकाजी दंपती साझा खर्चों के लिए जॉइंट बैंक अकाउंट का विकल्प अपना रहे हैं।
- इस व्यवस्था में दोनों अपनी आय का एक तय हिस्सा संयुक्त खाते में जमा करते हैं। इसी खाते से घर का किराया, ईएमआई, राशन, बिजली-पानी, बच्चों की फीस और अन्य साझा खर्च पूरे किए जाते हैं। वहीं शेष राशि दोनों अपने व्यक्तिगत खातों में रखते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता भी मिलती है। इससे न तो हर छोटे खर्च का हिसाब देना पड़ता है और न ही वित्तीय तनाव बढ़ता है।

बचत और निवेश की भी संयुक्त रणनीति बनाएं

घर का बजट केवल खर्च तक सीमित नहीं होना चाहिए। पति-पत्नी को मिलकर भविष्य के वित्तीय लक्ष्य तय करने चाहिए। इनमें आपातकालीन फंड, बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, रिटायरमेंट फंड, स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, म्यूचुअल फंड एसआईपी और अन्य निवेश शामिल हो सकते हैं। दोनों नियमित निवेश करते हैं, तो आर्थिक सुरक्षा मजबूत होती है।

पैसों पर खुलकर बात करना जरूरी

भारतीय परिवारों में अक्सर पैसों को लेकर खुलकर चर्चा नहीं होती। यही भविष्य में गलतफहमियों और विवादों का कारण बन सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पति-पत्नी को अपनी आय, खर्च, कर्ज, निवेश और भविष्य की योजनाओं पर नियमित रूप से बातचीत करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचें

- एक-दूसरे से आय या कर्ज की जानकारी छिपाना।
- बिना चर्चा के बड़े वित्तीय फैसले लेना।
- केवल एक व्यक्ति पर पूरे परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी डाल देना।
- आपातकालीन फंड न बनाना।
- बीमा और निवेश को नजरअंदाज करना।
- हर खर्च का अत्यधिक हिसाब से तनाव पैदा करना।

एसआईपी और एसडब्ल्यूपी की स्मार्ट रणनीति से रिटायरमेंट के बाद मिल सकती है नियमित आय

1,000 रुपये की एसआईपी से बन सकता 1 करोड़ का रिटायरमेंट फंड

हर वर्ष 10% बढ़ाएं एसआईपी कंपाउंडिंग की ताकत से तैयार होगा बड़ा कॉर्पस

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड बनाने के लिए हमेशा मोटी सैलरी होना जरूरी नहीं है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि निवेशक कम उम्र में नियमित निवेश शुरू करे, हर साल निवेश बढ़ाता रहे और लंबी अवधि तक अनुशासन बनाए रखे, तो छोटी-सी एसआईपी भी करोड़ों रुपये का रिटायरमेंट फंड तैयार कर सकती है। इसके बाद उसी फंड से सिस्टेमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) के जरिए हर महीने नियमित आय भी प्राप्त की जा सकती है। दरअसल, एसआईपी और एसडब्ल्यूपी एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां एसआईपी नौकरी के दौरान धीरे-धीरे संपत्ति बनाने का माध्यम है, वहीं एसडब्ल्यूपी रिटायरमेंट के बाद उसी संपत्ति को नियमित मासिक आय में बदलने का तरीका है। यदि दोनों का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो व्यक्ति बिना आर्थिक तनाव के रिटायरमेंट का जीवन बिता सकता है।

कैसे काम करती है एसआईपी+ एसडब्ल्यूपी रणनीति

मान लीजिए कोई व्यक्ति 28 वर्ष की उम्र में नौकरी शुरू करता है और हर महीने केवल 1,000 की एसआईपी शुरू करता है। वह अपनी आय बढ़ने के साथ हर साल एसआईपी की राशि में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है और 60 वर्ष की उम्र तक लगातार निवेश करता रहता है।

इस उदाहरण से समझें

- निवेश शुरू करने की आयु : 28 वर्ष
- शुरुआती एसआईपी : 1,000 प्रति माह
- हर साल एसआईपी में बढ़ोतरी : 10%
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 12%
- निवेश अवधि : 32 वर्ष

यह भी जानें

- कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये
- अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये
- कुल लाभ : लगभग 80.98 लाख रुपये
- यानी निवेशक ने करीब 24 लाख रुपये जमा किए, लेकिन कंपाउंडिंग और नियमित निवेश बढ़ाने की वजह से रिटायरमेंट तक उसका फंड एक करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

असली ताकत है स्टेप अप एसआईपी

इस उदाहरण की सबसे महत्वपूर्ण बात 1,000 रुपये की शुरुआती एसआईपी नहीं, बल्कि हर साल उसमें 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। अधिकांश लोगों की आय समय के साथ बढ़ती है। यदि वे हर साल अपनी एसआईपी भी बढ़ाते रहें तो बिना अतिरिक्त आर्थिक दबाव के बड़ी पूंजी तैयार की जा सकती है। यदि एसआईपी की राशि पूरे 32 वर्षों तक 1,000 रुपये ही रखी जाए तो एक करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल करना बेहद मुश्किल होगा। इसलिए हर वेतन वृद्धि के साथ एसआईपी बढ़ाने की आदत लंबी अवधि में लाखों रुपये का अतिरिक्त लाभ दिला सकती है।

क्या 12% रिटर्न की उम्मीद वाजिब है?

- इस उदाहरण में 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न केवल गणना के लिए लिया गया है। यह कोई गारंटीड रिटर्न नहीं है।
- हालांकि पिछले कई वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप, लार्ज एंड मिडकैप और कई इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने लंबी अवधि में लगभग इसी स्तर या इससे अधिक का औसत रिटर्न दिया है। हालांकि बाजार जोखिम हमेशा बना रहता है और किसी भी वर्ष रिटर्न कम या ज्यादा हो सकता है।

रिटायरमेंट बाद कैसे मिलेगी हर माह आय

रिटायरमेंट के बाद सबसे बड़ी चुनौती होती है नियमित आय का स्रोत बनाए रखना। यही काम एसडब्ल्यूपी करता है। मान लीजिए रिटायरमेंट के समय निवेशक के पास 1.50 करोड़ रुपये का फंड है और वह इसे किसी मीडियम ड्यूरेशन डेट फंड या कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड में निवेश करता है।

यदि निम्नलिखित मान्यताएं ली जाएं

- निवेश राशि : 1.50 करोड़ रुपये
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 6%
- मासिक निकासी : 1 लाख
- निकासी अवधि : 12 वर्ष
- इस अवधि में कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये
- निकासी के दौरान अर्जित लाभ : लगभग 43.13 लाख रुपये
- 12 वर्ष बाद बची राशि : लगभग 4.13 लाख रुपये
- इस तरह निवेशक पूरे 12 वर्षों तक हर महीने 1 लाख प्राप्त कर सकता है, जबकि शेष राशि निवेशित रहकर रिटर्न भी अर्जित करती रहती है।

एसडब्ल्यूपी क्यों है बेहतर विकल्प

यदि रिटायरमेंट के समय पूरी राशि एक साथ निकाल ली जाए तो उसके जल्दी खत्म होने का खतरा रहता है। इसके विपरीत एसडब्ल्यूपी में केवल जरूरत के अनुसार हर महीने निश्चित राशि निकाली जाती है और बाकी पैसा निवेशित रहता है। इससे फंड अधिक समय तक चलता है और नियमित आय भी मिलती रहती है। विशेषज्ञों के अनुसार एसडब्ल्यूपी पारंपरिक पेंशन की तरह नियमित नकदी प्रवाह उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

किन बातों का रखें ध्यान

- इक्विटी में 12% और डेट फंड में 6% रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती।
- रिटायरमेंट के नजदीक आते समय पोर्टफोलियो में जोखिम धीरे-धीरे कम करना चाहिए।
- महंगाई को ध्यान में रखते हुए रिटायरमेंट फंड का लक्ष्य तय करें।
- एसडब्ल्यूपी की मासिक राशि अपने खर्च और उपलब्ध कॉर्पस के अनुसार निर्धारित करें।
- समय-समय पर निवेश की समीक्षा करते रहें।

ऐसे समझें पूरा गणित

एसआईपी चरण

● शुरुआत : 28 वर्ष की आयु ● मासिक एसआईपी : 1,000 रुपये ● हर साल बढ़ोतरी : 10% ● अवधि : 32 वर्ष ● अनुमानित रिटर्न : 12% ● कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये ● अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये

एसडब्ल्यूपी चरण

● शुरुआती फंड : 1.50 करोड़ रुपये ● अनुमानित रिटर्न : 6% ● मासिक निकासी : 1 लाख रुपये ● अवधि : 12 वर्ष ● कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये

यंग भारत
प्रादेशिक
उरई (जालौन) सोमवार 27 जुलाई 2026

जिलाध्यक्ष ने अमर शहीदों को नमन कर प्रस्तुत किया 200 दिवस का रिपोर्ट कार्ड

कारगिल विजय दिवस पर विशेषः 'शहीदों के सम्मान में, भाजपा मैदान में'

-जनप्रतिनिधियों ने किया पुस्तक विमोचन
-मलखंभ पर लहराया तिरंगा, पूर्व सैनिकों का सम्मान

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। भाजपा जिलाध्यक्ष के 200 दिवस पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संगठन को समर्पित किए गए कार्यों की पुस्तक का विमोचन एवं कारगिल विजय दिवस की पावन वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी संगठन ने राष्ट्र सेवा और जन–सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रमुख रूप से अतिथियों को स्वागत उपरांत समस्त अतिथियों ने महापुरुषों के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पांजलि कर परम्परा का निर्वहन कर वंदेमातरम एवं संघ गीत के उपरांत कार्यक्रम कार्यक्रम प्रारंभ हुआ

भाजपा जिलाध्यक्ष द्वारा 1999 के कारगिल युद्ध के अमर बलिदानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संगठन की 200 दिवस (नवंबर 2025 से 14 जून 2026) की भव्य संगठनात्मक वृत्त प्रतिवेदन जारी किया जिसमें प्रमुख बिंदु संगठनात्मक बैठकें एवं प्रवास 305 बैठकें आयोजित कर संगठन को ज़मीनी स्तर पर मजबूत किया गया। 104 शक्ति केंद्र प्रवास तथा 72 मण्डल प्रवास सफलतापूर्वक संपन्न किए गए।युवा शक्ति को जोड़ने के लिए विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं को बढ़ावा दिया गया। सामाजिक समरसता व संवाद 21 समाजों से सीधा संवाद स्थापित कर सामाजिक एकजुटता पर बल दिया गया।धर्मगुरुओं और समाज के प्रबुद्ध वर्ग से निरंतर संपर्क एवं भेंट की गई। विभिन्न मठ और मंदिरों में संपर्क स्थापित कर मार्गदर्शन लिया गया। वंचित वर्ग एवं झुग्गी–झोपड़ी संपर्कःक्षेत्र के 300 परिवारों से प्रत्यक्ष संवाद साधा गया।35 घुमंतू परिवारों, रेड़ी–पटरी विक्रेताओं, झुग्गी–झोपड़ियों एवं मलीन बस्तियों में विशेष बैठकें कर उनकी समस्याओं को सुना गया और त्वरित समाधान कराया गया।

निरंतर सेवा अभियान व उपस्थिति:

पर्यावरण सुरक्षा हेतु निरंतर वृक्षारोपण अ भियान संचालित किया गया।28 दिनों से लगातार प्रतिदिन पार्कों एवं बस्तियों का प्रातः भ्रमण किया जा रहा है। सामाजिक, प्रशासनिक कार्यक्रमों एवं दुखी परिवारों की शोक संवेदनाओं में निरंतर उपस्थिति दर्ज कराई गई। संगठन के इन कार्यों को पत्रकारिता जगत में भी व्यापक स्वीकारिता मिली है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मलखंभ के खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत अद्भुत प्रदर्शन रहा, जिस पर गर्व से तिरंगा फहराया गया। इस दौरान जिला पदाधिकारियों ने सभी मंचासीन जनप्रतिनिधियों का विशाल पुष्पमाला से आत्मीय अभिनंदन किया। समारोह में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में भारत मां के वीर जवानों और पूर्व सैनिकों का विशेष रूप से शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। अंत में राष्ट्रगान 'जन–गण–मन' के साथ कार्यक्रम का गरिमामय समापन हुआ। प्रमुख उपस्थिति विधायक रवि शर्मा, महापौर बिहारी लाल आर्य ,विधायक राजीव सिंह, एम एल सी बाबूलाल तिवारी, एम एल सी रमा निरंजन ,हरगोविंद कुशवाहा राज्यमंत्री ,पवन गौतम जिला पंचायत अध्यक्ष, कुलदीप विश्वकर्मा सदस्य पिछड़ा वर्ग आयोग, विकास कुशवाहा जिला महामंत्री, संजीव श्रृंगीऋषि,प्रदीप सरावगी ,हनुमत सिंह नरवरिया,संजय दुबे ,मोहन सिंह यादव ,प्रियांशु डे,मोहित पोरवाल ,शैलेंद्र परमार,दुष्यंत चतुर्वेदी चेतन ओझा ,रानू देवलिया,अभिषेक जैन, संजीव अग्रवाल लाला,धीरज गोस्वामी, मनु सिंह,विनीत खटीक ,अनिरुद्ध दुबे,देवेंद्र दुबे, देवी मंजुलता,कमलेश परिहार,सुरेंद्र सिंह,दीपा कुशवाहा अंकित करोसिया,सौरभ बाजपेयी, अनुज निखरा,प्रदीप खटीक, रंजीत साहू, अंकित साहू ,भारत यादव ,मुकुल द्विवेदी ,राहुल कुर्ली ,आदर्श गुप्ता ,अमर सिद्ध,भूपेंद्र सिंह ,नितेंद्र परिहार ,गौरव तिवारी, सुनील भदौरिया ,सुनील नैनवानी, शुगर पाल,अमित राय ,अनुराग अहिरवार, विशाल दीक्षित ,कपिल बिरसेनिया,राम किशन निरंजन,शुभम बनर्जी, संजय लॉन्गसन, हेमंत पांचाल ,छोटू मौर्य ,सुनील विश्वकर्मा, नैन पाखरे, अमित खटीक ,संतोष दुबे, अनुराग पाखरे, जितेंद्र यादव ,रोहित गोतांकर आदि वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस राष्ट्र के वीर सपूतों के अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम का प्रतीक : जिलाधिकारी

कारगिल विजय दिवस पर अमर शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि, 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आज जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय, झाँसी में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी झाँसी श्री गौरांग राठी ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिक सदैव राष्ट्र के प्रेरणास्रोत रहेंगे। उनका त्याग, समर्पण एवं बलिदान आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा और देशभक्ति के लिए निरंतर प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस राष्ट्र के वीर सपूतों के अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम का प्रतीक है तथा देशवासी सदैव उनके ऋणी रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमाण्डर महेश कुमार श्रीवास्तव (अ.प्र.) तथा सूबेदार संजय कुमार शुक्ला के संरक्षण में संपन्न हुआ।

समारोह के अंतर्गत 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत जिलाधिकारी एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। समारोह में प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक संगठन के नारायण दास पटेल, संतोष कुमार शुक्ला, अमन चन्द्र आजाद, शिव कुमार कटियार, उदित नारायण पवार, चित्रलाल सिंह यादव, मनबहादुर रसेली, कैप्टन आर.पी. सिंह, सूबेदार मेजर आर.पी. सवाना, कैप्टन ए.पी. गुप्ता, सूबेदार पी.एन. शुक्ला, हवलदार बुन्देलाल, नायक संतोष, नायक अर्जुन, नायक पृथ्वीराज, नायक त्रिलोकी मेहतो, नितेन्द्र राय, हवलदार लाल साहब, मानद कैप्टन सिंह कुशवाहा, फ्लाइंग ऑफिसर शिव शंकर प्रसाद तथा कमोडोर विजय शंकर बबले सहित अनेक वरिष्ठ पूर्व सैनिक, वीर नारियाँ, एनसीसी कैडेट्स, आजाद हिन्द फौज के प्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

बच्चों के झगड़े में दो साल की मासूम की मौत

- पड़ोसियों ने पूरे परिवार को पीटा, मारपीट में घायल बच्ची ने दम तोड़ा

झांसी। जनपद में बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद में दो साल की बच्ची की मौत हो गई। 15 जुलाई को बच्ची का भाई घर के बाहर खेल रहा था। उसका पड़ोसी की बच्ची से झगड़ा हो गया। बच्ची रोते हुए घर पहुंच गई। तब शराब के नशे में धुत दबंगों ने घर पर धावा बोल दिया। लाठी-डंडों से बच्ची की मां, ताई और फूफा को पीटा।

इसके बाद पत्थर फेंकने लगे। एक पत्थर मासूम बच्ची के पेट में जा लगा। इससे वह घायल हो गई। उसे झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया। जहां शनिवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना ललितपुर कोतवाली थाना क्षेत्र जिजियावन गांव की है। ललितपुर के जिजियावन गांव निवासी दीपक वंशकार ने बताया- मेरी 3 बेटी वैश्णवी (8), अंशिका (6), दीपा (2) और एक बेटा राजवीर (1) है। 15 जुलाई को मैं अपने भाई अनिल के साथ मजदूरी करने ललितपुर गया था। घर पर मेरी पत्नी पिंकी, भाभी रजनी, बहनोई प्रीतम और बच्चे थे। दोपहर में अनिल का बेटा अनुराग (4) घर के बाहर खेल रहा था। इस दौरान अनुराग का पड़ोसी रामदेव की बेटी से झगड़ा हो गया। बच्ची रोते हुए घर चली गई। आसपास के लोगों ने समझाया तो मामला शांत हो गया था।पिता ने आगे बताया- 15 जुलाई की रात लगभग 8 बजे नशे में रामदेव, उसका भाई हरदेव, बेटा बॉबी और पिता झब्बा घर पर आए और मारपीट करने लगा। पत्नी पिंकी और भाभी रजनी को पीटा। बचाने आए प्रीतम को भी लाठियां मारी। इसके बाद वे पत्थराव करने लगे। एक पत्थर आकर मेरी दो साल की बेटी दीपा के पेट में जा लगा। इससे वह बेहोश हो गई। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। हमले की जानकारी मिलने पर हम लोग घर पहुंचे और बच्ची को ललितपुर अस्पताल ले गए। वहां से बच्ची को झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान शनिवार शाम को बच्ची की मौत हो गई।पिता ने आगे बताया- मारपीट के बाद भाभी रजनी ने कोतवाली पुलिस को शिकायत दी थी। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ हल्की धाराधों में केस दर्ज किया। इससे आरोपियों पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई और वे खुलेआम घूम रहे हैं। ललितपुर कोतवाली प्रभारी अनुराग अवस्थी का कहना है कि 16 जुलाई को केस दर्ज करके घायलों का मेडिकल कराया था। तब बच्ची को घर भेज दिया था। तबीयत बिगड़ने पर परिजन दोबारा अस्पताल ले गए। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर केस में धाराओं की बढ़ोत्तरी की जाएगी।

जंतर-मंतर प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन, दोषी पुलिसकर्मियों पर कठोर कार्रवाई की उठाई मांग

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। जनता दल (यूनाइटेड) उत्तर प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष एवं बुंदेलखंड प्रभारी शालिनी सिंह पटेल के नेतृत्व में मंडलायुक्त चित्रकूट धाम मंडल, बांदा के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में जंतर–मंतर एवं संसद मार्च के दौरान प्रदर्शन कर रहे छात्र–छात्राओं, विशेषकर महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कथित अभद्र व्यवहार एवं बल प्रयोग की निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि यदि जांच में कोई पुलिस अधिकारी या कर्मचारी महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध आचरण, अनुचित बल प्रयोग अथवा कानून के उल्लंघन का दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध बिना किसी भेदभाव के कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्पष्ट दिशा–निर्देश जारी किए जाएं, ताकि देश की बेटियों का संविधान और न्याय व्यवस्था पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। ज्ञापन में संविधान द्वारा प्रदत्त शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार का उल्लेख करते हुए कहा गया कि लोकतंत्र में अपनी बात रखना अपराध नहीं है और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर किसी भी नागरिक, विशेषकर महिलाओं की गरिमा से समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस अवसर पर जेडीयू प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रविंद्र नाथ गुप्ता, महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष पिंकी प्रजापति, जिला अध्यक्ष उमा कांत सविता, काशी प्रसाद याज्ञिक, बिहारी लाल अनुरागी, राघवेंद्र सिंह, श्रीराम प्रजापति, रितेश गुप्ता, भारत लाल कुशवाहा, रमाशंकर, गोपाल माली, राजकुमार सहित करीब दो दर्जन कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से पूरे मामले में निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई।

जनपद में मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ, 28 शिक्षकों को वितरित किए हेल्थ कार्ड

अब शिक्षकों को मिलेगा 5 लाख तक का कैशलेस इलाज, झाँसी में योजना की शुरूआत

झाँसी। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना एवं शिक्षकों की सामाजिक सुरक्षा के लिए पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ अनुबंध कार्यक्रम का आयोजन रविवार को कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आगरा के डॉ0 भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, खंदारी परिसर से किए गए राज्यस्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया गया कि इस योजना से प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के 1.28 लाख से अधिक शिक्षक एवं उनके आश्रित परिवार लाभान्वित होंगे।

जनपद में कुल 10365 प्राध्यापकों एवं उनके आश्रितों को इस योजना का लाभ मिलेगा। इनमें आज 28 शिक्षकों के हेल्थ कार्ड का वितरण किया गया है, जबकि शेष कार्ड बनाने की प्रक्रिया जारी है। इस योजना के अंतर्गत अशासकीय सहायता प्राप्त एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के नियमित तथा स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों में कार्यरत शिक्षकों, राज्य विश्वविद्यालयों के शिक्षकों एवं उनके आश्रितों को सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में भी कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी। योजना का संचालन स्टेट एजेंसी फॉर कम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज के माध्यम से किया जाएगा। योजना के तहत प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष 5 लाख तक का मुफ्त एवं कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। लाभार्थियों को स्टेट हेल्थ कार्ड जारी किए जाएंगे, जिनके माध्यम से सरकारी और आयुष्मान भारत से संबद्ध निजी अस्पतालों में बिना किसी अग्रिम भुगतान के भर्ती एवं उपचार की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत पवन गौतम ने मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत 28 शिक्षकों को स्टेट हेल्थ कार्ड वितरित किए। उन्होंने इस मौके पर जनपद के उच्च शिक्षण संस्थानों से जुड़े शिक्षकों और उनके परिजनों को हृदय से बधाई दी। आयोजित कार्यक्रम में विधायक सदर रवि शर्मा ने उपस्थित शिक्षकों को संबोधित करते हुए सुविधा प्राप्त होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि सुविधा के माध्यम से विश्वविद्यालयों महाविद्यालयों, चाहे वे राजकीय हों, शासकीय सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों अथवा स्ववित्तपोषित प्रबंधन के अन्तर्गत संचालित विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों सभी को इस योजना के अंतर्गत शामिल किया गया। कार्यक्रम में सदस्य विधान परिषद डॉ0 बाबूलाल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक की भूमिका पढ़ाने के साथ ही विद्यार्थी को दिशा देने की उसके भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानने और उसे सही मार्ग पर आगे बढ़ाने की है।परिवर्तन तभी आएगा जब पहले दिन से ही शिक्षक का छात्र के साथ सार्थक संवाद होगा। आयोजित कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव, प्राचार्य नोडल अधिकारी ने किया। उन्होंने उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी गौरांग राठी, उच्च शिक्षा अधिकारी सुशील बाबू, महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लोकतंत्र एवं छात्रों की जीत - कुंवर सत्येंद्र पाल सिंह

(यंग भारत न्यूज)

झांसी । बुंदेलखंड क्रांति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर सत्येंद्र पाल सिंह ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देश के लोकतंत्र, छात्रों और युवाओं की ऐतिहासिक जीत बताया है। उन्होंने कहा कि जब देशभर के छात्र–युवा शांतिपूर्ण ढंग से अपने अधिकारों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे थे, तब उनकी आवाज़ को दबाने का प्रयास किया गया। लेकिन अंततः लोकतांत्रिक जनदबाव के आगे सरकार को झुकना पड़ा।

उन्होंने कहा कि यह इस्तीफा केवल एक व्यक्ति के पद छोड़ने का मामला नहीं है, बल्कि यह संदेश है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज़ सर्वोपरि होती है। छात्रों के संघर्ष, धैर्य और एकजुटता ने यह सिद्ध कर दिया कि संगठित एवं शांतिपूर्ण जनआंदोलन परिवर्तन ला सकते हैं। कुंवर सत्येंद्र पाल सिंह ने कहा कि अब सरकार को केवल इस्तीफे तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, पेपर लीक की घटनाओं पर कठोर कार्रवाई, दोषियों को शीघ्र दंड तथा छात्रों के भविष्य की सुरक्षा के लिए व्यापक सुधार लागू करने चाहिए। उन्होंने सभी छात्र–युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखें और देश में निष्पक्ष, पारदर्शी एवं जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएँ।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का झांसी में भाजपाइयों ने किया स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। निवाड़ी में विकास कार्यों का लोकार्पण करने आए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का झांसी में भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया।

रविवार को हेलीकॉप्टर से झांसी पुलिस लाइन पहुंचे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का झांसी सदर विधायक पंडित रवि शर्मा, विधायक राजीव सिंह, राज्यमंत्री जमुना कुशवाहा, जिला महामंत्री छत्रपाल सिंह राजपूत भाजपा पार्षद सुनील नैनवानी, आदि ने हार माला पहना कर स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि सीमा से सटे मध्यप्रदेश के निवाड़ी में विकास कार्यों का लोकार्पण करने आए थे। इसके अलावा वह दतिया में उप चुनाव के चलते भाजपाइयों से समीक्षा की। इसके बाद वह झांसी पुलिस लाइन से सर्किट हाउस पहुंचे जहां उन्हें गार्ड ऑफ ओनर दिया गया। यहां सर्किट हाउस में वह झांसी के भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों से मुलाकात कर चर्चा करने के बाद वापस पुलिस लाइन से हेलीकॉप्टर से मध्यप्रदेश के जिला सागर रवाना हो गए।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718